CCL
FUELLING SUSTAINABLE GROWTH

5 DECADES OF UNEARTHING ENERGY

Great Place To Work® Certified 2025 INDIA

Millions of Coal...
Billions of Smiles...

उत्कर्ष

सेंट्रल कोलफ़ील्ड्स लिमिटेड

(भारत सरकार का एक उपक्रम / कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कम्पनी)

दरभंगा हाउस, राँची (झारखण्ड)

उत्कर्ष

सीसीएल की एक पत्रिका
अंक : 4 | मई, 2025

अध्यक्ष

श्री निलेन्दु कुमार सिंह
अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक

संरक्षक

श्री पवन कुमार मिश्रा
निदेशक (वित्त)

श्री हर्ष नाथ मिश्र
निदेशक (एचआर)

श्री चन्द्रशेखर तिवारी
निदेशक (तकनीकी/संचालन)

श्री शंकर नागाचारी
निदेशक (तकनीकी) (यो. एवं परि.)

श्री पंकज कुमार
मुख्य सतर्कता अधिकारी

सम्पादक मण्डल

श्री आलोक कुमार
विभागाध्यक्ष, सीसी एंड पीआर

श्री मयंक कश्यप
प्रबंधक (सीडी), सीसी एंड पीआर

श्री बिट्टु कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसम्पर्क)

श्री मनीष कुमार तिवारी
सहायक प्रबंधक (जनसम्पर्क)

सहायक सम्पादक

श्री तपन कुमार बरियार
श्री सन्दीप सेनगुप्ता

आवरण/पृष्ठसज्जा

श्री तपन कुमार बरियार
सीसी एंड पीआर विभाग, सीसीएल

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक का संदेश	1
निदेशक (वित्त) का संदेश	2
निदेशक (एचआर) का संदेश	3
निदेशक (तकनीकी/संचालन) का संदेश	4
निदेश (तकनीकी) (यो. एवं परि.) का संदेश	5
मुख्य सतर्कता अधिकारी का संदेश	6
सीसीएल ने वित्त वर्ष 2024–25 में रचा नया इतिहास	7
गणमान्य अतिथियों का सीसीएल दौरा	9
आयोजन	12
उपलब्धियाँ	23
विविध समाचार	27
आलेख/कविता/कहानी	31
समाचार पत्रों से....	42
सोशल मीडिया से....	43
झलकियाँ	44

संपादकीय

हर संस्था की पहचान सिर्फ उसकी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि उसके लोगों की सोच, संवेदनशीलता और रचनात्मक अभिव्यक्ति से भी होती है – और सीसीएल की वार्षिक पत्रिका "उत्कर्ष" इसी पहचान की प्रतीक है। यह वर्षभर की उपलब्धियों, गतिविधियों और प्रगतिशील पहलों को संजोने के साथ–साथ उन अनकही आवाजों को मंच देती है जो हमारे कर्मियों के भीतर सृजन की आग जलाए रखती हैं। जब खदानों की धूल भरे रास्तों से निकलकर कोई कर्मचारी कविता रचता है, जब उत्पादन लक्ष्य पाने की आपाधापी में कोई लेखनी विचारों को सहेजती है – तो वहीं से शुरू होती है "उत्कर्ष" की आत्मा। इस अंक में हमने न केवल संगठन की प्रमुख गतिविधियों को समाहित किया है, बल्कि उन रचनात्मक अभिव्यक्तियों को भी स्थान दिया है जो सीसीएल की कार्यसंस्कृति को अधिक मानवीय, जीवंत और विविध बनाती हैं। हमें विश्वास है कि यह अंक न केवल जानकारी देगा, बल्कि पाठकों को प्रेरणा भी प्रदान करेगा – सृजन करने की, जुड़ने की और आगे बढ़ने की।

संदेश

अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक,
सीसीएल

'हर कण में ऊर्जा, हर कर्म में उत्कर्ष'

जब कोई खनिक भोर के पहले अंधेरे में टॉर्च की रोशनी लिए खदान की ओर बढ़ता है, वह केवल कोयला निकालने नहीं जा रहा होता – वह राष्ट्र की ऊर्जा, उद्योगों की धड़कन और घर–घर की रोशनी का उत्तरदायित्व अपने कंधों पर लेकर चलता है। यही भाव, यही समर्पण, सीसीएल की आत्मा है।

सीसीएल आज सिर्फ एक कोयला उत्पादक कंपनी नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा का एक मजबूत स्तंभ है। हर टन कोयले में हमारे कर्मियों की मेहनत, तकनीकी दक्षता और प्रबंधन की दूरदर्शिता का समावेश होता है। यह संगठन देश की प्रगति की उस लय को संचालित करता है, जो उद्योगों को गतिशील और अर्थव्यवस्था को जीवंत बनाए रखती है।

'उत्कर्ष', हमारी वार्षिक पत्रिका, उसी यात्रा का एक संवेदनशील दस्तावेज है। यह केवल उपलब्धियों का संग्रह नहीं, बल्कि उस जीवंत संस्कृति का प्रतिबिंब है जो हमारे कर्मचारियों के भीतर रचनात्मकता और नवाचार के रूप में निरंतर बहती रहती है।

मुझे यह कहते हुए गर्व होता है कि सीसीएल ने कोल प्रोडक्शन के साथ–साथ नवाचार, आधुनिक खनन तकनीकों का उपयोग और मानवीय मूल्यों को संगठन के उद्देश्यों के केंद्र में रखा है। हम आज खनन को महज एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि स्मार्ट माइनिंग की दिशा में ले जा रहे हैं – जिसमें ऑटोमेशन, डिजिटलाइजेशन, पर्यावरण संरक्षण और कार्यस्थल सुरक्षा प्रमुख हैं।

परंतु तकनीकी प्रगति के बीच भी हम यह नहीं भूलते कि हमारा सबसे बड़ा संसाधन हमारा मानव बल है। उनके विचार, भावनाएँ और रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ ही संगठन को एक आत्मा प्रदान करती हैं। यही कारण है कि सीसीएल 'उत्कर्ष' जैसे मंचों को विशेष महत्व देता है – क्योंकि यह पत्रिका हमारे कर्मियों के भीतर छिपी कविता, कहानी, विचार और आत्मा को एक स्वर देती है।

मैं सीसी एंड पीआर विभाग और सभी सहयोगियों को इस सृजनात्मक प्रयास के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ। 'उत्कर्ष' न केवल एक दस्तावेज है, यह प्रेरणा है – हमारे अतीत की, हमारी वर्तमान यात्रा की और उस उज्ज्वल भविष्य की, जिसकी ओर हम अग्रसर हैं।

(निलेन्दु कुमार सिंह)

Fuelling Sustainable Growth

संदेश

निदेशक (वित्त),
सीसीएल

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि सीसीएल की वार्षिक पत्रिका 'उत्कर्ष' का नवीनतम संस्करण प्रकाशित होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मैं सम्पादकीय टीम सहित सभी लेखकों, कवियों, और रचनात्मक प्रतिभाओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ, जिनके अथक प्रयासों से यह संकलन संभव हो पाया।

'उत्कर्ष' सीसीएल की एक सशक्त आंतरिक संचार माध्यम के रूप में अपनी विशेष पहचान बना चुकी है। यह केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो हमारे संगठन की विविध गतिविधियों, उपलब्धियों, और प्रयासों को एक सूत्र में पिरोता है। यह कर्मचारियों के बीच परस्पर संवाद को बढ़ावा देती है और संगठन की कार्यसंस्कृति, मूल्यों और दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करती है।

इस पत्रिका का एक और विशेष पक्ष यह है कि इसमें हमारे कर्मचारियों की रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ – जैसे लेख, कविताएँ, संस्मरण और कहानियाँ – प्रकाशित होती हैं, जो यह दर्शाती हैं कि सीसीएल के कर्मी तकनीकी रूप से दक्ष होने के साथ–साथ सृजनशील और संवेदनशील व्यक्तित्व भी रखते हैं। इस प्रकार 'उत्कर्ष' कर्मियों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और वैचारिक समृद्धि को बढ़ावा देने का कार्य करती है।

मैं इस बात पर विशेष बल देना चाहूंगा कि सीसीएल, अपने कोर बिज़नेस यानी कोयला उत्पादन के साथ–साथ, ऐसे रचनात्मक प्रयासों को सदैव प्रोत्साहित करता रहा है। हमारा मानना है कि रचनात्मकता और नवाचार एक प्रगतिशील कार्य संस्कृति के अनिवार्य अंग हैं। जब हमारे कर्मचारी स्वतंत्र रूप से सोचते, लिखते और साझा करते हैं, तो वे स्वयं भी मानसिक रूप से समृद्ध होते हैं, और संगठन भी अधिक जीवंत बनता है।

मुझे विश्वास है कि 'उत्कर्ष' का यह संस्करण सभी पाठकों के लिए न केवल जानकारीपूर्ण होगा, बल्कि प्रेरणादायक और आनंददायक भी सिद्ध होगा। मैं एक बार पुनः इस रचनात्मक प्रयास से जुड़े सभी व्यक्तियों को बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी, और हर वर्ष नई ऊँचाइयों को छुएगी।

शुभकामनाओं सहित,

पवन कुमार मिश्रा

संदेश

निदेशक (मानव संसाधन),
सीसीएल

प्रिय साथियों,

'उत्कर्ष' – यह नाम ही अपने आप में प्रेरणा देता है। यह केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि सीसीएल परिवार की जीवंतता, ऊर्जा और नवाचार की एक झलक है। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि सीसीएल की यह वार्षिक पत्रिका एक बार फिर अपने नए संस्करण में प्रकाशित हो रही है, जो हमारे संगठन की गतिविधियों के साथ–साथ हमारे कर्मचारियों की रचनात्मक प्रतिभाओं को भी उजागर करती है।

सीसीएल, कोल इंडिया लिमिटेड की एक प्रमुख इकाई के रूप में, देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। हमारे कर्मियों की सतत मेहनत, समर्पण और दक्षता के बल पर यह संगठन राष्ट्र के औद्योगिक और घरेलू ऊर्जा आवश्यकताओं की रीढ़ बना हुआ है। लेकिन इस व्यस्तता के बीच हमारे कर्मचारी अपनी सृजनात्मक क्षमताओं को भी जीवित रखते हैं – यही एक सशक्त और प्रगतिशील संगठन की पहचान है।

'उत्कर्ष' इस रचनात्मक अभिव्यक्ति का मंच बनकर, न केवल विचारों को साझा करता है, बल्कि एक प्रेरणा का स्रोत भी बनता है। यह पत्रिका हमें यह समझाने का कार्य करती है कि एक संगठित कार्यबल केवल परिश्रम नहीं करता, बल्कि सोचता है, लिखता है, महसूस करता है और नवाचार करता है।

सीसीएल सदैव इस बात में विश्वास रखता है कि सृजनात्मकता और नवीनता को बढ़ावा देकर हम एक अधिक सक्षम और सजग कार्य परिवेश का निर्माण कर सकते हैं। मैं उन सभी रचनाकारों को साधुवाद देता हूँ जिन्होंने अपने विचारों और संवेदनाओं को इस पत्रिका के माध्यम से प्रस्तुत किया। साथ ही, सीसी एंड पीआर विभाग को भी इस प्रयास के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ, जिनके सतत परिश्रम से 'उत्कर्ष' हर वर्ष एक नई ऊँचाई छूता है।

(हर्ष नाथ मिश्र)

CCL
Fuelling Sustainable Growth

संदेश

निदेशक (तकनीकी/संचालन),
सीसीएल

'कोयले की गहराई से.... नवाचार की ऊँचाई तक'

कभी किसी खदान के प्रवेश द्वार पर एक युवा अभियंता खड़ा सोच रहा था – "क्या कोयले की यह काली परतें भी भविष्य को रोशन कर सकती हैं?" आज जब मैं सीसीएल के तकनीकी और संचालन विभाग को देखता हूँ, तो उस प्रश्न का उत्तर हर चालू शिफ्ट, हर प्रगति रिपोर्ट और हर उत्पादन लक्ष्य में स्पष्ट दिखाई देता है।

कोयला केवल एक खनिज नहीं है – यह ऊर्जा है, यह राष्ट्र का इंजन है। भारत जैसे विकासशील देश में कोयला उद्योग ऊर्जा सुरक्षा की धुरी है, और सीसीएल इस धुरी का एक मजबूत पहिया। हमारी खदानें न केवल उत्पादन में अग्रणी हैं, बल्कि तकनीकी नवाचारों के कारण निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर भी हैं।

हमने आधुनिक खनन तकनीक जैसे मेकैनिकल शेलर, ड्रोन सर्वे, रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम, और ऑटोमेशन आधारित उपकरणों को सम्मिलित कर कामकाज को न केवल तेज, बल्कि अधिक सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाया है। यह बदलाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानसिकता का भी है – जहाँ 'सिर्फ उत्पादन' नहीं, बल्कि 'स्मार्ट उत्पादन' की सोच विकसित हो रही है।

'उत्कर्ष' जैसी पत्रिकाएँ इस यात्रा को शब्दों में समेटती हैं। यह केवल रचनात्मक लेखन का माध्यम नहीं, बल्कि हमारे तकनीकी और मानवीय विकास की एक झलक भी है। जब एक कोयला कर्मी कविता लिखता है, जब एक खनन पर्यवेक्षक कहानी कहता है, तब संगठन की आत्मा बोलती है।

सीसीएल इस बात पर दृढ़ विश्वास रखता है कि रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता साथ–साथ चल सकती हैं। हमें ऐसे मंचों की आवश्यकता है जो हमारे कर्मचारियों के विचारों को आकार दें, और 'उत्कर्ष' उसी दिशा में एक सशक्त प्रयास है।

मैं इस पत्रिका से जुड़े सभी योगदानकर्ताओं को साधुवाद देता हूँ और सीसी एंड पीआर विभाग को इस अद्भुत संकलन हेतु बधाई देता हूँ। आइए, हम सब मिलकर उस युवा अभियंता के प्रश्न का उत्तर बार–बार दें – हाँ, कोयले की परतों में भविष्य की रौशनी छुपी है, बस हमें उसे उजागर करते रहना है।

(चन्द्रशेखर तिवारी)

संदेश

निदेशक (तकनीकी/यो. एवं परि.),
सीसीएल

प्रिय साथियों,

हर संगठन की वास्तविक पहचान उसके लोगों की सोच, समझ और सृजनात्मकता से बनती है।

सीसीएल में हम न केवल कोयला उत्पादन में अग्रणी हैं, बल्कि अपने कर्मियों की रचनात्मकता को भी उतनी ही प्राथमिकता देते हैं।

सीसीएल की वार्षिक पत्रिका "उत्कर्ष" इसी सोच का सजीव उदाहरण है। यह केवल एक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि वह आईना है जिसमें हम पूरे वर्ष की यात्रा को देख सकते हैं – हमारे कार्यों को, हमारी उपलब्धियों को, और सबसे बढ़कर, हमारे लोगों की सोच और संवेदनाओं को।

मैं यह मानता हूँ कि किसी भी संगठन की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मानव संपदा होती है – और जब वह मानव संपदा अपने विचारों, अनुभवों और रचनात्मक क्षमताओं को साझा करती है, तो एक स्वस्थ, सकारात्मक और सहभागी कार्य संस्कृति का निर्माण होता है। "उत्कर्ष" ऐसे ही प्रयासों का संग्रहीत रूप है, जहाँ हर विभाग, हर कर्मी और हर विचार को मंच मिलता है।

यह पत्रिका हमें हमारे काम से जुड़ी कहानियाँ बताती है, साथ ही यह भी याद दिलाती है कि हम केवल उत्पादन इकाई नहीं हैं – हम विचारशील, जीवंत और भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ समुदाय हैं। यह पत्रिका हमारी एकता, विविधता और सृजनशीलता को जोड़ने वाली एक सशक्त कड़ी है।

मैं इस पहल के लिए सीसी एंड पीआर विभाग और सभी रचनात्मक सहयोगियों को बधाई देता हूँ। मुझे विश्वास है कि "उत्कर्ष" आगे भी इसी तरह हमारे संगठन के विचारों और भावनाओं को एक साथ जोड़ती रहेगी, और सीसीएल की सशक्त आंतरिक संस्कृति को नई दिशा देती रहेगी।

शुभकामनाओं सहित,

शंकर नागाचारी

संदेश

मुख्य सतर्कता अधिकारी,
सीसीएल

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि सीसीएल की वार्षिक पत्रिका 'उत्कर्ष' का प्रकाशन एक बार फिर सफलता पूर्वक किया जा रहा है। यह पत्रिका न केवल वर्ष भर की प्रमुख गतिविधियों एवं उपलब्धियों का दस्तावेज है, बल्कि हमारे कर्मचारियों की रचनात्मक अभिव्यक्तियों – लेख, कविता, कहानियों आदि का भी उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है।

'उत्कर्ष' सीसीएल के भीतर आंतरिक संप्रेषण का एक प्रभावशाली माध्यम है, जो विभिन्न विभागों एवं इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों को एक साझा मंच पर लाकर उनकी प्रतिभाओं को उजागर करने का अवसर प्रदान करता है। यह पत्रिका हमें याद दिलाती है कि हम केवल कोयला उत्पादन जैसे अपने मुख्य दायित्वों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हम एक ऐसे कार्यस्थल के निर्माण हेतु भी प्रतिबद्ध हैं, जहाँ नवाचार, रचनात्मकता एवं व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को भी समान महत्व दिया जाता है।

मैं इस बात पर विशेष बल देता हूँ कि सीसीएल सदैव अपने कर्मियों को प्रेरित करती रही है कि वे कार्यस्थल पर कुशलता के साथ–साथ अपनी सृजनशीलता को भी विकसित करें। इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियाँ न केवल मानसिक ताजगी प्रदान करती हैं, बल्कि यह संगठन की समग्र ऊर्जा एवं नवीन सोच को भी सशक्त करती हैं।

मैं 'उत्कर्ष' के सफल प्रकाशन हेतु सीसीएल के सीसी एंड पीआर विभाग की पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका पाठकों के लिए जानकारीपूर्ण, प्रेरणादायी एवं रोचक सिद्ध होगी तथा आने वाले वर्षों में यह और भी नए आयाम स्थापित करेगी।

शुभकामनाओं सहित,

(पंकज कुमार)

सीसीएल ने वित्त वर्ष 2024–25 में रचा नया इतिहास
कोयला उत्पादन और सामाजिक उत्तरदायित्व में नए कीर्तिमान

सीसीएल ने वित्त वर्ष 2024–25 में नया इतिहास रचते हुए अपने कोयला उत्पादन और प्रेषण में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की है। कंपनी ने इस वर्ष कुल 87.5 मिलियन टन (एमटी) कोयले का उत्पादन किया, जो कि इसके स्थापना के बाद से अब तक का सर्वाधिक वार्षिक उत्पादन है। साथ ही, 85.9 मिलियन टन कोयले का प्रेषण कर सीसीएल ने एक और ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। यह सफलता देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में सीसीएल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इन उपलब्धियों में आम्रपाली–चंद्रगुप्ता, बरकासयाल, मगध–संघमित्र, पिपरवार, उत्तर कर्णपुरा, रजरप्पा और राजहरा सहित कई प्रमुख परियोजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन क्षेत्रों ने उत्पादन के साथ–साथ गुणवत्ता पूर्ण कोयला डिस्पैच में भी सराहनीय प्रदर्शन किया है।

पर्यावरण–संवेदनशील खनन : हरियाली और नवाचार की दिशा में अग्रसर

सीसीएल पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ खनन को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। वर्ष 2024–25 के दौरान कंपनी ने झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया है, जिससे हरियाली और जैव विविधता में वृद्धि हुई है। विशेष रूप से रजरप्पा क्षेत्र में मियावाकी पद्धति के तहत सघन वृक्षारोपण किया गया है, जो कम समय में घने और टिकाऊ वन तैयार करने की नवीन तकनीक है। इस पहल का उद्देश्य न केवल हरित आवरण बढ़ाना है, बल्कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में पर्यावरण संतुलन को पुनर्स्थापित करना भी है।

सतत विकास और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भी सीसीएल ने बड़े कदम उठाए हैं। कंपनी ने इस वर्ष कुल 287.9 लाख यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया, जिससे 20,153 टन कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आई है। अब तक कंपनी 1.25 मेगावाट की रूफटॉप सौर क्षमता और 24 मेगावाट भूमि आधारित सौर परियोजनाएँ (20 मेगावाट पिपरवार में तथा 4 मेगावाट गिरिडीह में) स्थापित कर चुकी है, जो सफलतापूर्वक कार्य कर रही है । इसके अतिरिक्त 2.05 मेगावाट रूफटॉप क्षमता की स्थापना भी वर्ष के भीतर पूरी की गई। बरकासयाल क्षेत्र में 5 मेगावाट की भूमि आधारित सौर परियोजना निर्माणाधीन है, जिसे वित्त वर्ष 2025–26 में चालू किया जाएगा। गिरिडीह क्षेत्र में 150 मेगावाट क्षमता वाली सौर परियोजना के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है, इसे वित्त वर्ष 2026–27 तक चालू करने की योजना है। कंपनी ने 2029–30 तक विद्युत खपत के संदर्भ में नेट–जीरो का लक्ष्य निर्धारित किया है।

कोयला प्रेषण में तकनीकी क्रांति : सीएचपी परियोजनाओं से दक्षता में वृद्धि

कोयले के प्रेषण को पर्यावरणीय रूप से अधिक स्वच्छ और यंत्रीकृत बनाने के उद्देश्य से सीसीएल विभिन्न कोल हैंडलिंग प्लांट्स (सीएचपी) की स्थापना कर रही है। इनमें कारो सीएचपी, कोनार सीएचपी, केबीपी पूर्णाडीह सीएचपी निर्माणाधीन हैं, जबकि नॉर्थ उरीमारी सीएचपी पहले से ही संचालन में है। यह सभी सीएचपी क्लोज्ड–लूप, पूर्ण यंत्रीकृत प्रणालियाँ हैं, जो सड़क परिवहन को समाप्त कर कोयले के डिस्पैच में तेज़ी और दक्षता लाती हैं। इससे डीजल की खपत में कमी आती है और धूल व वाहन जनित प्रदूषण घटता है, जिससे क्षेत्रीय पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार होता है। यह सभी परियोजनाएँ सीसीएल के अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक श्री निलेंदु कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ रही हैं, और टीम सीसीएल कोयला उत्पादन एवं प्रेषण को तकनीकी रूप से और सुदृढ़ करने हेतु निरंतर प्रयासरत है।

जनस्वास्थ्य की दिशा में बड़ा कदम : सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की स्थापना

'स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी सीसीएल ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। काँके, राँची में 200 बिस्तरों वाला एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (कार्डियोलॉजी, पल्मोनोलॉजी एवं न्यूरोलॉजी से संबंधित) की स्थापना की जा रही है। इसके लिए सीसीएल ने बाबासाहेब अंबेडकर वैद्यकीय प्रतिष्ठान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अस्पताल झारखंड के आम नागरिकों को अत्यंत रियायती दरों पर उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करेगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शिलान्यास माननीय कोयला मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी द्वारा किया किया गया है, जो सीसीएल के समावेशी विकास को और अधिक मजबूती प्रदान करता है।

सामाजिक उत्तरदायित्व : शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य में समर्पण

सीएसआर के तहत सीसीएल ने समाज कल्याण के लिए कई अभिनव योजनाएँ चलाई हैं। 'सीसीएल के लाल' और 'सीसीएल की लाडली' जैसी योजनाओं के माध्यम से कोयला क्षेत्रों के वंचित और प्रतिभाशाली बच्चों को मुफ्त आईआईटी कोचिंग, आवास, भोजन एवं स्कूली शिक्षा प्रदान की जा रही है। वर्तमान में 80 छात्र–छात्राएँ इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी झारखंड सरकार के सहयोग से झारखंड स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (JSSPS) का संचालन कर रही है, जिसमें 11 खेल विधाओं में आवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अकादमी के कैडेट्स ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर राज्य और देश को गौरवान्वित किया है।

कंपनी ने चतरा और लातेहार जैसे आकांक्षी जिलों के 100% क्षय रोग (टीबी) मरीजों को 'निःक्षय मित्र' के रूप में गोद लिया है। इसके

अतिरिक्त, श्री सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के साथ समझौता कर कमांड क्षेत्र के 500 बच्चों की जन्मजात हृदय रोग से संबंधित जाँच और सर्जरी की व्यवस्था की जा रही है। सीसीएल ने 193 सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब की स्थापना की है। साथ ही 1,251 युवाओं को विभिन्न ट्रेडों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिनमें से 900 से अधिक को रोजगार प्राप्त हुआ। वर्ष भर आयोजित स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से लगभग 2 लाख ग्रामीणों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सीसीएल की आजीविका योजना के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा हस्तकरघा, मशरूम उत्पादन और परिधान सिलाई इकाइयों का सफल संचालन किया जा रहा है।

सीसीएल का योगदान केवल कोयला उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संस्था झारखंड एवं पूरे देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में एक निर्णायक भूमिका निभा रही है।कंपनी आधुनिक तकनीकों, डिजिटलीकरण और सुरक्षा नवाचारों को अपनाते हुए उत्पादन में दक्षता एवं गुणवत्ता को बढ़ा रही है। सुरक्षा, उत्पादन, पर्यावरण और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाते हुए सीसीएल देश के ऊर्जा क्षेत्र में एक प्रेरणास्रोत के रूप में उभर रही है।

सीसीएल के अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक श्री निलेंदु कुमार सिंह ने इस अवसर पर कहा, "सीसीएल देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित और सुदृढ़ करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर उन्होने केंद्र सरकार, राज्य सरकार, सभी मंत्रालय मुख्यतः कोयला मंत्रालय, सभी श्रमिकों, ग्रामीणों और हितधारकों को सीसीएल के इस सफलता पर उनके सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार प्रकट किया। सीसीएल की प्राथमिकता सिर्फ कोयला उत्पादन नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, समावेशी विकास और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े हरेक व्यक्ति को सशक्त बनाना भी है। टीम सीसीएल अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए संकल्पबद्ध है।"

सीसीएल का यह प्रदर्शन न केवल झारखंड बल्कि पूरे भारत के ऊर्जा क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह ऐतिहासिक उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

माननीय कोयला मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी का दौरा

माननीय कोयला एवं खान मंत्री, भारत सरकार श्री जी. किशन रेड्डी ने 09 जनवरी को राँची के गांधीनगर आवासीय परिसर में सीसीएल के लिए दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं में सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन और सीसीएल कर्मियों के लिए बहुमंजिला आवासीय भवनों का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर राज्य सभा सांसद श्री आदित्य प्रसाद, राज्य सभा सांसद श्रीमती महुआ माजी, काँके विधायक श्री सुरेश कुमार बैठा, कोयला मंत्रालय के सचिव श्री विक्रम देव दत्त, अतिरिक्त सचिव कोयला श्रीमती विस्मिता तेज, कोयला मंत्री के निजी सचिव श्री बक्की कार्तिकेयन, कोल इंडिया चेयरमैन श्री पी.एम. प्रसाद, सीएमडी सीसीएल श्री निलेंदु कुमार सिंह, सीएमडी सीएमपीडीआईएल श्री मनोज कुमार सहित सीसीएल के निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री हरीश दुहान, मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्री पंकज कुमार, वरिष्ठ अधिकारी, श्रमिक संघ के प्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में लोग भी उपस्थित थे।

सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

माननीय मंत्री ने गांधीनगर, राँची में सीसीएल के सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। इस परियोजना की लागत रु. 2.33 करोड़ है और इसे सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह केंद्र सुरक्षा कर्मियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ प्रदान करेगा, जिसमें 40 बिस्तरों वाला डॉर्मिटरी, कक्षाएँ, जिम, डाइनिंग हॉल और अन्य आवश्यक सुविधाएँ शामिल हैं। इस केंद्र के माध्यम से सीसीएल के 1600 से अधिक सुरक्षा कर्मियों और भविष्य में शामिल होने वाले नए कर्मियों को आधुनिक प्रशिक्षण प्राप्त होगा। यह परियोजना न केवल सुरक्षा कर्मियों की दक्षता को बढ़ाएगी, बल्कि उनकी कार्यक्षमता और अनुशासन में भी सुधार करेगी।

बहुमंजिला आवासीय भवनों का शिलान्यास

इसके अतिरिक्त, माननीय मंत्री ने गांधीनगर में सीसीएल कर्मियों के लिए चार बहुमंजिला आवासीय भवनों के निर्माण का शिलान्यास किया। इस परियोजना में G–8 मंजिल के चार टावर बनाए जाएंगे, जिनमें कुल 112 आवासीय इकाइयां होंगी। इन इकाइयों में बी–टाइप के 32, सी–टाइप के 64 और डी–टाइप के 32 फ्लैट शामिल होंगे। परियोजना की कुल लागत रु. 77.63 करोड़ है। इन भवनों में ग्रीन बिल्डिंग के तहत अत्याधुनिक सुविधाएँ, जैसे कम्युनिटी पार्क, बैडमिंटन कोर्ट और वॉकिंग एरिया उपलब्ध कराए जाएंगे। इस परियोजना का निर्माण कार्य 4 जनवरी 2025 को शुरू होकर 4 जनवरी 2027 तक पूरा होने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रस्तावित अस्पताल का एक दृश्य

माननीय कोयला एवं खान मंत्री, भारत सरकार श्री जी. किशन रेड्डी गार्ड ऑफ ऑनर लेते हुए

समीक्षा बैठक

इसके उपरांत उन्होंने सीसीएल, बीसीसीएल, ईसीएल और सीएमपीडीआईएल की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में कोयला उत्पादन, कर्मचारियों के कल्याण और कंपनी की भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। बैठक में कोल इंडिया के अध्यक्ष श्री पी एम प्रसाद सहित सभी कंपनियों के सीएमडी एवं उच्च अधिकारी उपस्थित थे। माननीय मंत्री ने इन कंपनियों की प्रगति का आकलन किया और आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए।

स्थानीय विकास के लिए प्रतिबद्धता

इन परियोजनाओं का उद्देश्य न केवल सीसीएल कर्मियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है, बल्कि क्षेत्र में आवास, सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को भी उन्नत करना है। इन पहलों से न केवल सीसीएल के कर्मचारियों और उनके परिवारों को लाभ होगा, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और स्थानीय जनता ने सरकार की इन पहलों की सराहना की।

माननीय मंत्री काँके में 200 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की आधारशिला रखी

केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने 10 जनवरी को काँके, राँची स्थित रिनपास के समीप 200 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की आधारशिला रखी। यह अस्पताल कार्डियोलॉजी, पल्मोनोलॉजी और न्यूरोलॉजी जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाओं से युक्त होगा। इस परियोजना का उद्देश्य झारखंड और आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर राँची के माननीय सांसद एवं रक्षा राज्यमंत्री श्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद श्री आदित्य प्रसाद, राज्यसभा सांसद श्रीमती महुआ माजी, काँके विधायक श्री सुरेश कुमार बैठा, कोयला मंत्रालय के सचिव श्री विक्रम देव दत्त, अतिरिक्त

सचिव, कोयला श्रीमती विस्मिता तेज, कोयला मंत्री के निजी सचिव श्री बक्की कार्तिकेयन, कोल इंडिया के चेयरमैन श्री पी.एम. प्रसाद, सीसीएल के सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह, सीएमपीडीआईएल के सीएमडी श्री मनोज कुमार, सीसीएल के निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री हरीश दुहान, मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्री पंकज कुमार और श्रमिक संघ के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

माननीय मंत्री ने कहा कि झारखंड और पूरे देश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए यह अस्पताल एक मील का पत्थर साबित होगा। केंद्र सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में आम जनता के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए लगातार प्रयासरत है। यह सुपर स्पेशलिटी अस्पताल कोयला क्षेत्र के विकास और क्षेत्रीय सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होने कहा कि इस अस्पताल का निर्माण पूर्ण हो जाने पर इसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हाथों करने का प्रयास करेंगे ।

हॉस्पिटल की मुख्य विशेषताएँ

- क्षमता : 200 बिस्तर।
- स्थान : रिनपास के समीप, कांके, रांची।
- परियोजना लागत : रु. 300 करोड़ (निर्माण, उपकरण और फर्निशिंग)।
- परियोजना अवधि : निर्माण कार्य जून 2025 से प्रारंभ होकर दो वर्षों में पूरा होगा।
- संचालन और प्रबंधन : डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर वैद्यकीय प्रतिष्ठान (BAVP), एक गैर–लाभकारी संगठन।
- परियोजना समर्थन अवधि : 6 वर्षों तक सीसीएल द्वारा वित्तीय सहायता (VGF) प्रदान की जाएगी।
- भूमि का क्षेत्रफल : 5.5 एकड़, जो झारखंड सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई है।

माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री सतीश चंद्र दुबे का सीसीएल दौरा

कोनार सीएचपी एवं कारो सीएचपी का किया शिलान्यास

कोयला एवं खान राज्य मंत्री, श्री सतीश चंद्र दुबे झारखंड के तीन दिवसीय दौरे के तहत 04 अक्टुबर को राँची पहुँचे।

अपने प्रवास के दौरान माननीय श्री दुबे झारखंड में कोयला एवं खनन क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लिए। पहले दिन वे सीएमपीडीआईएल के अधिकारियों के साथ चल रही परियोजनाओं का आकलन करने और भविष्य की पहलों पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की।

माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री ने सीसीएल के बोकारो एवं करगली क्षेत्र में कारो कोल हैंडलिंग प्लांट एवं कोनार कोल हैंडलिंग प्लांट का शिलान्यास किया। इन दोनों परियोजनाओं की क्षमता क्रमशः 7 मिलियन टन प्रतिवर्ष एवं 5 मिलियन टन प्रतिवर्ष है।

कारो एवं कोनार सीएचपी का शिलान्यास करते माननीय कोयला मंत्री एवं अन्य

पिपरवार क्षेत्र में 20 मेगावाट सोलर पावर प्लांट का किया उद्घाटन

विगत 07 सितम्बर, 2024 को माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री सतीश चंद्र दुबे ने सीसीएल, राँची का दौरा किया। श्री दुबे ने सीसीएल के कार्य–कलापों का जायजा लिया जिसमें सीसीएल के सीएमडी, श्री निलेन्दु कुमार सिंह एवं निदेशकगण उपस्थित थे। मंत्रीजी ने सीसीएल के उत्पादन, प्रेषण एवं अन्य गतिविधियों की समीक्षा की तथा उचित दिशा निर्देश दिए।

देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कोयले के उत्पादन एवं प्रेषण में और बढ़ोत्तरी करने के लिए कई महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश भी दिए।

इसके बाद श्री दुबे सीसीएल के पिपरवार क्षेत्र का दौरा किया, जहाँ उन्होंने सीसीएल के महत्त्वाकांक्षी परियोजना – 20 मेगावाट क्षमता के एक सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित किया। इस सोलर पावर प्लांट के माध्यम से स्थानीय लोगों को बहुत लाभ मिलेगा।

सोलर पावर प्लांट राष्ट्र को समर्पित करते माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री सतीश चंद्र दुबे साथ में उपस्थित सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह एवं अन्य गणमान्य

अपर सचिव, कोयला मंत्रालय, भारत सरकार श्रीमती विस्मिता तेज ने की सीसीएल की समीक्षा

दिनांक 01 अगस्त को सीसीएल मुख्यालय, राँची में अपर सचिव, कोयला मंत्रालय श्रीमती विस्मिता तेज ने सीसीएल के कोयला प्रेषण की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह, सीआईएल के निदेशक (मार्केटिंग) श्री मुकेश चौधरी, निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री हरीश दुहान, रेलवे के सीनियर डीओएम, राँची डिवीजन श्रीमती श्रेया सिंह, सीनियर डीओएम, धनबाद डिवीजन श्री अंजय तिवारी एवं सीसीएल के अधिकारीगण मौजूद थे।

इस बैठक में कोयले की निर्बाध आपूर्ति को सुनिश्चित करने से सम्बंधित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गयी। कोयला प्रेषण बढ़ाने तथा उपभोक्ता संतुष्टि सुनिश्चित करने से संबंधित मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।उक्त बैठक के पश्चात् श्रीमती तेज ने

सीसीएल में समीक्षा बैठक करते अपर सचिव, कोयला मंत्रालय श्रीमती विस्मिता तेज एवं सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह

कोयला उपभोक्ताओं के साथ एक अन्य बैठक में बातचीत की।

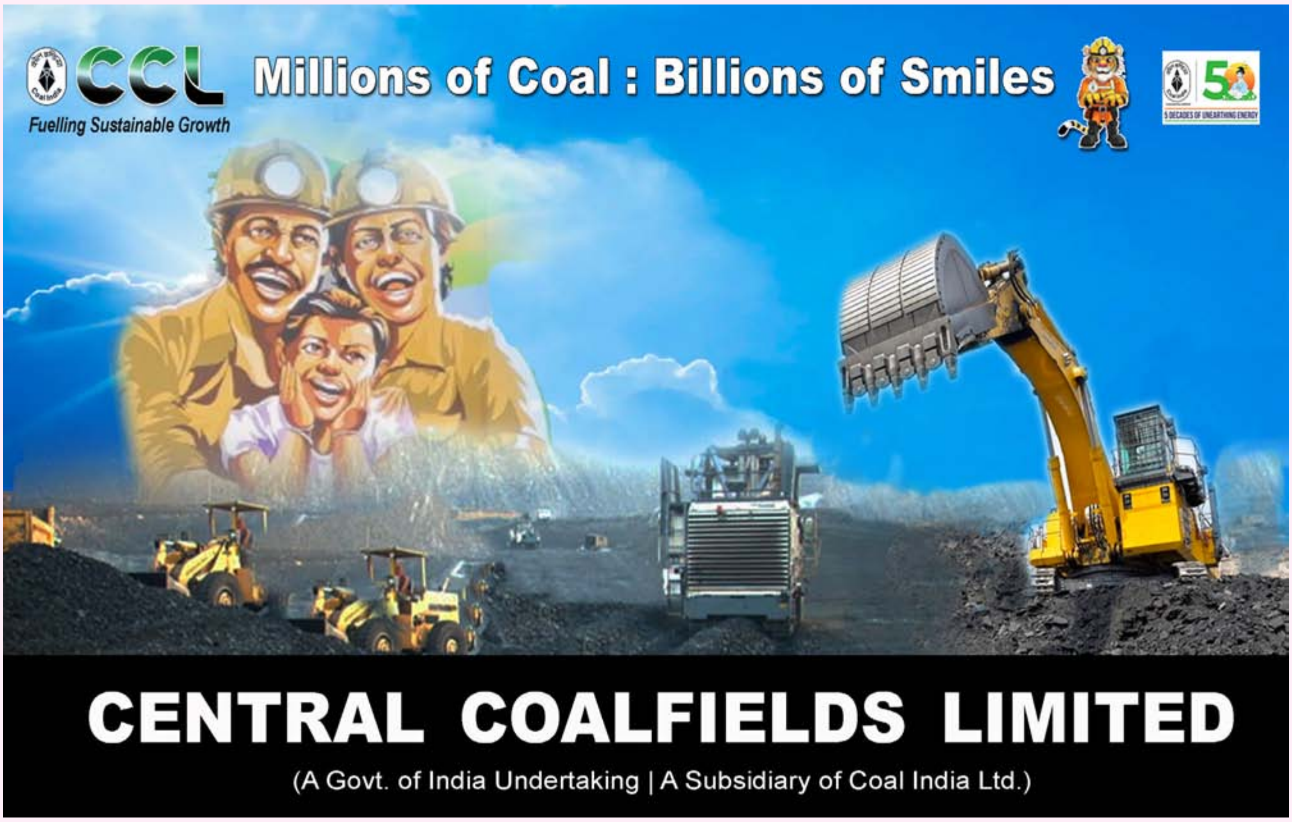

'कोल इंडिया राँची मैराथन 2025' का ऐतिहासिक आयोजन

राँची के बिरसा मुंडा स्टेडियम, मोराबादी में कोल इंडिया लिमिटेड के तत्वावधान में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा आयोजित 'कोल इंडिया राँची मैराथन 2025' का शानदार समापन हुआ। इस प्रतिष्ठित मैराथन में इस वर्ष 10,000 से अधिक धावकों ने भाग लिया। यह आयोजन एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (AFI) और AIMS (Association of International Marathons and Distance Race) द्वारा प्रमाणित किया गया था।

इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम में इस आयोजन की ब्रांड एंबासडर पद्म विभूषण विजेता और महान भारतीय बॉक्सर मैरी कॉम सहित माननीय पूर्व न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, झारखंड, श्री एस.एन. पाठक; अध्यक्ष, सीआईएल, श्री पीएम प्रसाद; पूर्व अध्यक्ष, सीआईएल, श्री प्रमोद अग्रवाल; सीएमडी, सीसीएल, श्री निलेंदु कुमार सिंह; सीएमडी, ईसीएल, श्री सतीश झा; पूर्व सीएमडी सीसीएल/निदेशक तकनीकी (संचालन) सीआईएल, श्री बी वीरा रेड्डी; सचिव (खेल कला एवं संस्कृति), झारखण्ड सरकार, श्री मनोज कुमार; निदेशक (कार्मिक), सीआईएल, श्री विनय रंजन; निदेशक (बीडी), सीआईएल, श्री देबाशीष नंदा; सीवीओ, सीआईएल, श्री ब्रजेश कुमार त्रिपाठी; सीसीएल के निदेशकगण सहित बड़ी संख्या में राज्य सरकार के वरीय अधिकारी, सीसीएल कर्मी, हितधारक एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

गणमान्यों द्वारा फ्लैग ऑफ कर कोल इंडिया मैराथन 2025 का शुभारंभ किया गया। मैराथन सुबह 5:00 बजे बिरसा मुंडा स्टेडियम, मोराबादी से शुरू होकर कांके रोड होते हुए पुनः मोराबादी में संपन्न हुई। कोल इंडिया द्वारा विजेताओं को 35.1 लाख रुपए से अधिक की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। यह मैराथन महिलाओं और पुरुषों की चार श्रेणियों में आयोजित की गई। मैराथन के विजेताओं को निम्नानुसार पुरस्कृत किया गया :

फुल मैराथन (42 किमी) – पुरुष श्रेणी : प्रथम स्थान ज्ञान बाबू (2:26:25) – रू. 3.3 लाख, द्वितीय स्थान : राज शेखर पाठक (2:31:03) – रू. 2.2 लाख, तृतीय स्थानः दीपा राम (2:34:49) – रू. 1.1 लाख

फुल मैराथन (42 किमी) – महिला श्रेणी : प्रथम स्थान : रीनू (2:53:31) – रू. 3.3 लाख, द्वितीय स्थान : अर्पिता सैनी (3:03:23) – रू. 2.2 लाख, तृतीय स्थान : भारती (3:04:08) – रू. 1.1 लाख

"कोल इंडिया राँची मैराथन 2025" का एक दृश्य

हाफ मैराथन (21 किमी) – पुरुष श्रेणी : प्रथम स्थान : हरमनजोत सिंह (1:05:14) – रू. 2.2 लाख, द्वितीय स्थान : लोकेश चौधरी (1:05:57) – रू. 1.1 लाख, तृतीय स्थान : अभिषेक (1:06:20) – रू. 55 हजार

हाफ मैराथन (21 किमी) – महिला श्रेणी : प्रथम स्थान : भारती नैन (1:15:32) – रू. 2.2 लाख, द्वितीय स्थान : ममता राजभर (1:20:45) – रू. 1.1 लाख, तृतीय स्थान : डिंपल सिंह (1:21:29) – रू. 55 हजार।

10 किमी दौड़ – पुरुष श्रेणी : प्रथम स्थान : शुभम सिंधु (0:29:31) – रू. 1.1 लाख, द्वितीय स्थान : आनंद (0:29:42) – रू. 75 हजार, तृतीय स्थान : अजय कुमार बिंद (0:30:01) – रू. 55 हजार।

10 किमी दौड़ – महिला श्रेणी : प्रथम स्थान : केएम ज्योति (0:34:16) – रू. 1.1 लाख, द्वितीय स्थान : पूजा वर्मा (0:34:27) – रू. 75 हजार, तृतीय स्थान : केएम संगीता पाल (0:35:39) – रू. 55 हजार।

पूरे मैराथन मार्ग पर एनर्जी स्टेशन, जल आपूर्ति केंद्र, मेडिकल सहायता टीमें, एंबुलेंस और सुरक्षा कर्मी तैनात थे। झारखंड सरकार, स्थानीय प्रशासन और एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से प्रतिभागियों को उच्च स्तरीय सुविधाएँ प्रदान की गईं।

फुल मैराथन के विजेता को पुरस्कृत करते सीआइएल अध्यक्ष श्री पी.एम. प्रसाद एवं अन्य गणमान्य

फुल मैराथन के विजेता को पुरस्कृत करते सीआइएल अध्यक्ष श्री पी.एम. प्रसाद एवं अन्य गणमान्य

76वाँ गणतंत्र दिवस : सम्मान और एकता का उत्सव

26 जनवरी 2025 को सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड ने 76वाँ गणतंत्र दिवस महात्मा गांधी क्रीड़ांगण, सीसीएल गांधीनगर में उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। इस अवसर पर सीसीएल के अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने सीसीएल सुरक्षा कर्मियों, सीआईएसएफ जवानों, आर्मी बैंड और गांधीनगर डीएवी व ज्ञानोदय स्कूल के विद्यार्थियों की परेड का निरीक्षण किया। समारोह में सीएमडी के साथ निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री हरीश दुहान, सीवीओ श्री पंकज कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी, श्रमिक प्रतिनिधि, सीसीएल कर्मी एवं उनके परिवारजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती प्रीति सिंह और क्लब की अन्य सदस्य भी उपस्थित रहीं।

अपने संबोधन में सीएमडी श्री सिंह ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए देश के संविधान निर्माताओं को नमन किया। उन्होंने बताया कि सीसीएल न केवल कोयला उत्पादन और प्रेषण में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है, बल्कि सामाजिक विकास के क्षेत्रों में भी अहम योगदान दे रहा है। उन्होंने 2026 तक "नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन" का लक्ष्य प्राप्त करने की प्रतिबद्धता दोहराई और बताया कि कंपनी सोलर पावर प्लांट्स की स्थापना और ई–वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दे रही है।

श्री सिंह ने पर्यावरण संरक्षण के तहत अब तक सीसीएल कमांड क्षेत्र में 1 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाने और 5,500 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर हरित क्षेत्र विकसित करने की जानकारी दी। उन्होंने मियावाकी प्लांटेशन तकनीक के माध्यम से चल रहे वृक्षारोपण और इको–पार्क विकास योजनाओं पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने सीसीएल की सीएसआर पहलों पर चर्चा करते हुए बताया कि कंपनी स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, स्वच्छता और कौशल विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में, कंपनी हर साल 2 लाख से अधिक लोगों को निःशुल्क चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कर रही है और हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर स्थापित करने में मदद कर रही है।

शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में सीसीएल ने सरकारी स्कूलों में स्मार्टक्लास एवं आईसीटी लैब स्थापित की हैं और स्थानीय युवाओं को विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किए हैं। हाल ही में अनुसूचित जाति एवं जनजाति की 10 महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा प्रदान किए गए।

सीसीएल की जेएसएसपीएस खेल अकादमी के कैडेट्स ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 8 पदक जीते हैं। कंपनी के खेल योगदान के तहत महिला फुटबॉल टीम ने 63वें सुब्रतो कप में शानदार जीत हासिल की।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने मुख्यालय दरभंगा हाउस और गांधीनगर केंद्रीय अस्पताल में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

अन्य प्रमुख गतिविधियाँ और उद्घाटन

समारोह के बाद, सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने गांधीनगर केंद्रीय अस्पताल में अमृत फार्मेसी का उद्घाटन किया।

समारोह में डीएवी गांधीनगर, केंद्रीय विद्यालय और ज्ञानोदय के विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम के अंत में शांति और प्रगति के प्रतीक रंग–बिरंगे गुब्बारों को आकाश में उड़ाया गया। इस अवसर पर परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सीएमडी ने पुरस्कार प्रदान किए। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सीसीएल के सुरक्षा गार्ड को भी गणमान्यों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को सलामी देते सीसीएल सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया "एनसीडीसी स्थापना दिवस"

एनसीडीसी स्थापना दिवस के दौरान दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन करते सीएमडी, सीसीएल श्री निलेन्दु कुमार सिंह के साथ अन्य गणमान्य अतिथिगण

सीसीएल मुख्यालय, राँची में 7 दिसम्बर को "एनसीडीसी स्थापना दिवस" बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। इस भव्य कार्यक्रम में सीएमडी, सीसीएल श्री निलेंदु कुमार सिंह ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। श्री सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि नेशनल कोल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनसीडीसी) ने कोल इंडिया लिमिटेड एवं सीसीएल की नींव को मजबूत किया है और उनके मार्गदर्शन और अनुभव के कारण कंपनी आज देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा कर रही है।

इस कार्यक्रम में कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी अन्य सहायक कंपनियों के पूर्व अध्यक्षों, निदेशकों, वरिष्ठ अधिकारियों और एनसीडीसी के पूर्व कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख अतिथियों में पूर्व चेयरमैन, सीआईएल डॉ. एम. पी. नारायणन, पूर्व चेयरमैन, सीआईएल श्री प्रमोद अग्रवाल, पूर्व सीएमडी, डब्ल्यूसीएल श्री आर.डी. रॉय, पूर्व सीएमडी, सीसीएल/सीएमपीडीआईएल श्री एस.के. वर्मा, पूर्व सीएमडी, सीसीएल श्री बी. अकला, पूर्व सीएमडी, सीसीएल श्री आर. पी. रिटोलिया और पूर्व चेयरमैन, कोल इंडिया लिमिटेड एवं पूर्व सीएमडी, सीसीएल श्री गोपाल सिंह शामिल थे। इसके अतिरिक्त, सीएमपीडीआई के सीएमडी श्री मनोज कुमार, सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्रा, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री हरीश दुहान, निदेशक (परियोजना एवं योजना) श्री सतीश झा और मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पंकज कुमार भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में एनसीडीसी के पूर्व कर्मियों ने सीसीएल की गौरवशाली यात्रा पर प्रकाश डाला और अपने अनुभवों व स्मृतियों को साझा किया। इस अवसर पर पूर्व सीएमडी, सीसीएल श्री बी. अकला ने 'के.एस. चारी मेमोरियल लेक्चर' दिया। सीसीएल के सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह ने सभी गणमान्य अतिथियों का शॉल, नारियल और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और अपने सम्बोधन में कहा कि एनसीडीसी की विरासत और मार्गदर्शन ने कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों को नए आयाम तक पहुंचाने में मदद की है।

कार्यक्रम के दौरान "एचआर मैगजीन" का विमोचन किया गया, जिसमें सीसीएल की विभिन्न गतिविधियों और उपलब्धियों को दर्शाया गया है। इसके अतिरिक्त, सीसीएल परिसर में राज्य के सबसे ऊंचे तिरंगे का अनावरण "हर घर तिरंगा : घर घर तिरंगा" अभियान के तहत बनाए गए वीडियो, जिसे सीसीएल के सोशल मीडिया फेसबुक अकाउंट पर एक मिलियन से अधिक व्यूज मिले हैं, और जिसे पूरे कोल इंडस्ट्री में इस क्षेत्र में ऐतिहासिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है, की सफलता का जश्न केक काटकर मनाया गया। इस अवसर पर डीएवी गांधीनगर स्कूल के छात्रों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया, जबकि सीसीएल के कर्मचारियों द्वारा भी संगीत प्रस्तुत किया गया, जिसे सभी ने खूब सराहा। इस अवसर पर एनसीडीसी की यात्रा पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म "Journey of NCDC And CCL" भी प्रदर्शित की गई जिसमें NCDC के स्थापना से ले कर आज तक के कंपनी के प्रदर्शन एवं उपलब्धि को दिखाया गया, जिसकी खूब सराहना हुई।

संविधान के प्रति प्रतिबद्धता का संकल्प

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में संविधान दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस वर्ष का विषय था "हमारा संविधान, हमारा सम्मान"। इस अवसर का उद्देश्य भारतीय संविधान के महत्व को रेखांकित करना और इसके सिद्धांतों, अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाना था।

इस कार्यक्रम में सीसीएल के सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह, निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (योजना/परियोजना) श्री सतीश झा, यूनियन प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए।

कार्यक्रम के आरंभ में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने भारत के संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह ने संविधान को भारतीय लोकतंत्र की आत्मा बताया।

संविधान दिवस के अवसर पर संबोधित करते सीएमडी, सीसीएल श्री निलेन्दु कुमार सिंह साथ में मंचासीन सीसीएल के निदेशकगण एवं अन्य

खनन नवाचार की उड़ान – सिमेकॉन 2024

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा मुख्यालय के कन्वेंशन सेंटर में कोल इंडिया मेडिकल कॉन्फ्रेंस 2024 आयोजित की गई। यह सम्मेलन 25 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2024 तक चला। कॉन्फ्रेंस का विषय "स्वास्थ्य प्राथमिकताएँ – वर्तमान और भविष्य" था। इस आयोजन में देश–विदेश के 15 से अधिक प्रख्यात वक्ता शामिल हुए और कोल इंडिया लिमिटेड एवं उसकी सहायक कंपनियों के लगभग 250 डॉक्टर इस सम्मेलन में भाग लिए।

समारोह का उद्घाटन सीसीएल के सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह, निदेशकगण एवं अन्य ने दीप प्रज्वलित कर किया ।

अपने संबोधन में, श्री निलेंदु कुमार सिंह ने समाज में डॉक्टरों के योगदान को रेखांकित किया और कहा कि इस प्रकार के सम्मेलन ज्ञानवर्धन एवं जानकारी के प्रसार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि इस मंच से सभी डॉक्टर अपने सहकर्मियों के अनुभवों से सीख सकते हैं और नए चिकित्सा नवाचारों से परिचित हो सकते हैं। इस अवसर पर सभी गणमान्य अतिथियों ने इस कार्यक्रम और सम्मेलन के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम में कोल इंडिया और सीसीएल के कई महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष और बड़ी संख्या में डॉक्टर मौजूद रहे।

इस सम्मेलन के मुख्य आकर्षणों में कोलकाता, दिल्ली, गुरुग्राम, हैदराबाद, फरीदाबाद आदि के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ चिकित्सकों के व्याख्यान शामिल थे, जिनमें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और इंस्टिट्यूट ऑफ लिवर एण्ड बिलीयरी साइन्सेज नई दिल्ली के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ और संकाय शामिल थे।

मैक्स अस्पताल, साकेत, नई दिल्ली के डॉ संजय सचदेवा, राँची के एक प्रसिद्ध एंडोक्राइनॉलॉजिस्ट डॉ अंकित श्रीवास्तव, मेदांता अस्पताल, गुड़गाँव के पद्मश्री डॉ रणदीप गुलेरिया, इंस्टिट्यूट ऑफ लिवर एण्ड बिलीयरी साइन्सेज, नई दिल्ली के पद्मभूषण डॉ एस के सरीन, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, फरीदाबाद के पद्मश्री डॉ. एनके पांडे, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के पद्मश्री डॉ जे एस तीतीयाल एक प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ, सैमफोर्ड अस्पताल, राँची के डॉ प्रणव कुमार मण्डल, अकॉर्ड अस्पताल, फरीदाबाद के डॉ युवराज कुमार, मेदांता अस्पताल, राँची के डॉ तापस साहू, सर्वोदय कैंसर संस्थान के ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ दिनेश पेंढारकर, इंस्टिचयूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज, कोलकाता के डॉ हृषिकेश कुमार, आईपीजीएमईआर एसएसकेएम अस्पताल, कोलकाता के डॉ प्रद्योत सिन्हा महापात्रा, जैसे चिकित्सकों ने इस सम्मेलन में हिस्सा लिया।

दीप प्रज्वलित कर सिमेकॉन 2024 का उद्घाटन करते सीएमडी सीसीएल श्री निलेन्दु कुमार सिंह, निदेशकगण एवं गणमान्य

Fuelling Sustainable Growth

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 : 'फेस्टिवल डी सीसीएल'

28 अक्टूबर से 03 नवम्बर 2024 तक चलने वाले सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के अंतर्गत सतर्कता महोत्सव 'फेस्टिवल डी सीसीएल' का 28 अक्टूबर को भव्य उद्घाटन हुआ। इस महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि सीएमडी सीसीएल श्री निलेंदु कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर सीसीएल के निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री हरीश दुहान, मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्री पंकज कुमार, महाप्रबंधक, विभाग प्रमुख और बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सीएमडी सीसीएल द्वारा सभी उपस्थित जनों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर किया गया। इसके बाद, सीवीओ श्री पंकज कुमार ने सभी को संबोधित करते हुए सतर्कता और ईमानदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि हमारे पेशेवर जीवन में सतर्क रहना क्यों आवश्यक है, और इस वर्ष की थीम "सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की प्रगति" पर भी अपने विचार साझा किए।

उपस्थित जनों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर 'फेस्टिवल डी सीसीएल' कार्यक्रम का शुभारंभ करते सीएमडी सीसीएल श्री निलेन्दु कुमार सिंह, निदे. (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक तक. (संचा.) श्री हरीश दुहान एवं सीवीओ श्री पंकज कुमार

सीएमडी सीसीएल श्री निलेंदु कुमार सिंह ने भी इस मौके पर ईमानदारी के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सीसीएल अपने दायित्व को पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभा रहा है और देश की ऊर्जा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। इसके पश्चात उन्होंने ई–प्लेज बूथ का उद्घाटन किया और सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ ड्रोन द्वारा किया। सीएमडी सीसीएल ने सतर्कता जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सतर्कता रैली में सीएमडी, सीसीएल, निदेशकगण, सीवीओ तथा बड़ी संख्या में कार्मिक

इसके बाद सतर्कता जागरूकता रैली में सीसीएल के कर्मचारियों और अधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस रैली के माध्यम से सभी ने भ्रष्टाचार मुक्त भारत का संदेश दिया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें जनजातीय नृत्य, गणेश वंदना नृत्य और "विविधता में एकता" नृत्य का प्रदर्शन किया गया। सीसीएल की एक कर्मचारी ने अपने मधुर स्वर में गणेश वंदना गीत प्रस्तुत किया, जिसने सभी का मन मोह लिया। इसके अतिरिक्त भ्रष्टाचार की रोकथाम पर एक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन भी हुआ, जिसने सभी दर्शकों को जागरूकता का संदेश दिया।

'फेस्टिवल डी सीसीएल' के दौरान गुब्बारे उड़ाते हुए सीएमडी, सीसीएल, निदेशकगण एवं सीवीओ

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पश्चात विभिन्न प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया गया। इनमें 'स्ट्रीट पेंटिंग' प्रतियोगिता भी शामिल थी, जिसमें विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से आए छात्रों ने 'भ्रष्टाचार को ना कहें' और 'ईमानदारी को बढ़ावा दें' जैसे विषयों पर अपनी अद्भुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पश्चात विभिन्न प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया गया। इन युवाओं ने अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से कैनवास पर उकेरा, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों ने रंगोली प्रतियोगिता में भी भाग लिया, जहाँ उन्होंने अपनी अद्भुत रचनाओं से सभी का दिल जीत लिया। दर्शकों ने छात्रों की इस अद्वितीय रचनात्मकता की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

इसके बाद, एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों ने देशभक्ति, सामाजिक संदेश और राष्ट्रवाद जैसे विषयों पर आधारित प्रस्तुतियाँ दीं। उनकी प्रस्तुति ने सभी को अभिभूत कर दिया। इसके साथ ही, समूह बैंड ने अपनी संगीत और ताल की अनूठी प्रस्तुति से एक अनोखा माहौल बना दिया, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के इस महोत्सव का उद्देश्य सभी को सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और सतर्कता के मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना था। सतर्कता महोत्सव के अंतर्गत आयोजित की गई ये विभिन्न गतिविधियाँ न केवल सीसीएल के कर्मचारियों बल्कि सभी आगंतुकों के लिए एक नई जागरूकता का संचार की।

29 अक्टूबर यानी 'फेस्टिवल डी सीसीएल' का दूसरा दिन सीसीएल मुख्यालय के प्रांगण में हर्षो–उल्लास के साथ मनाई गयी, जिसमें कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व पर प्रकाश डाला गया ।

इस मौके पर सीसीएल के सीवीओ श्री पंकज कुमार ने सभी को प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों के रचनात्मकता की तारीफ भी की। इस वर्ष की थीम "सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की प्रगति" पर भी अपने विचार साझा किए।

अवसर विशेष पर मनमोहक एकल गीत, समूह नृत्य और ग्रुप बैंड, जिसमें प्रतिभागी भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता, देशभक्ति, सामाजिक संदेश और ईमानदारी को बढ़ावा देने वाले विषयों पर प्रस्तुति दी। इसी कड़ी में 'नारी शक्ति वंदन : पिंक ऑवर्स' का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता सीसीएल की प्रथम महिला और अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्षा, श्रीमती प्रीति सिंह ने की। इस अवसर पर श्रीमती शशि दुहान, श्रीमती रूपा रानी, और अर्पिता महिला मंडल के अन्य सदस्या उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नारी शक्ति को सम्मानित करना था। अवसर विशेष पर कार्यालयीन कार्यों के अतिरिक्त एथलेटिक्स में प्रदर्शन के लिए मुख्यालय की लक्ष्मी उरांव एवं एन.के. क्षेत्र की ललिता कुमारी को सम्मानित किया गया। पुरुष प्रधान माने जाने वाले ड्रिल एवं ब्लास्टिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रजरप्पा क्षेत्र की ड्रिल ऑपरेटर लक्ष्मी मिश्रा एवं रजरप्पा क्षेत्र के कांति कुमारी को भी सम्मानित किया गया।

दैनिक जीवन में सतर्कता के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। संगीत, नृत्य और कला के माध्यम से, आयोजकों का उद्देश्य व्यक्तियों को ईमानदार और पारदर्शी व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ–साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें रचनात्मक 'पॉट पेंटिंग' प्रतियोगिता भी शामिल थी, जिसमें विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से आए छात्रों ने 'भ्रष्टाचार को ना कहें' और 'ईमानदारी को बढ़ावा दें' जैसे विषयों पर अपनी अद्भुत पेंटिंग्स प्रस्तुत की। क्षेत्र के विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के छात्रों ने इन कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपनी प्रतिभा और उत्साह का प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन ने न केवल दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि सतर्कता और नैतिक आचरण का संदेश भी प्रभावी ढंग से दिया।

30 अक्टूबर यानी 'फेस्टिवल डी सीसीएल' का तीसरा और अंतिम दिन सीसीएल मुख्यालय के प्रांगण में पुरस्कार वितरण समारोह के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से ईमानदारी पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व पर आधारित था।

इस तीन दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ–साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें रचनात्मक फेस पेंटिंग, स्ट्रीट पेंटिंग, मनमोहक एकल गीत, समूह नृत्य, लाइव पेंटिंग और ग्रुप बैंड, पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता भी शामिल थी, जिसमें विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से आए छात्रों ने 'भ्रष्टाचार को ना कहें' और 'ईमानदारी को बढ़ावा दें' जैसे विषयों पर अपनी अद्भुत कला प्रस्तुत की। क्षेत्र के विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के छात्रों ने इन कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपनी प्रतिभा और उत्साह का प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन ने न केवल दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि सतर्कता और नैतिक आचरण का संदेश भी प्रभावी ढंग से दिया। लाइव पेंटिंग प्रतियोगिता में देश के अलग–अलग प्रमुख कलाकार ने हिस्सा लिया जैसे वाराणसी, कोलकाता, रामगढ़, राँची, हजारीबाग इत्यादि।

उक्त प्रतिभाशाली प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण समारोह में सीवीओ श्री पंकज कुमार और निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्रा ने पुरस्कृत किया, जिन्होंने पिछले तीन दिनों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में अपने कौशल का प्रदर्शन किया था, जिसमें एकल गीत, पॉट पेंटिंग, समूह नृत्य और ग्रुप बैंड आदि शामिल थे। इस मौके पर सीसीएल के सीवीओ श्री पंकज कुमार ने सभी को प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों के रचनात्मकता की तारीफ भी किया साथ ही इस वर्ष की थीम "सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की प्रगति" पर भी अपने विचार साझा किए।

दैनिक जीवन में सतर्कता के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। जनजातीय नृत्य, गणेश वंदना, नृत्य और "विविधता में एकता" नृत्य संगीत, नृत्य और कला के माध्यम से, आयोजकों का उद्देश्य व्यक्तियों को ईमानदार और पारदर्शी व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

गौरतलब हो कि 28 अक्टूबर से 03 नवंबर 2024 तक चलने वाले सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के अंतर्गत सतर्कता महोत्सव 'फेस्टिवल डी सीसीएल' तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य सभी को सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और सतर्कता के मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना था। सतर्कता महोत्सव के अंतर्गत आयोजित की जा रही ये विभिन्न गतिविधियाँ न केवल सीसीएल के कर्मचारियों बल्कि सभी आगंतुकों के लिए एक नई जागरूकता का संचार किया।

स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडा को सलामी देते सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह

विगत 15 अगस्त को सीसीएल मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में 78वाँ स्वतंत्रता दिवस धूम–धाम के साथ मनाया गया। सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने सीसीएल गांधीनगर कॉलोनी स्थित महात्मा गांधी क्रीड़ांगन में ध्वजारोहण किया एवं सलामी दी। इस अवसर पर सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री हरीश दुहान, सीवीओ श्री पंकज कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, श्रमिकसंघों के प्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी उपस्थित थे। सीएमडी श्री सिंह ने अवसर विशेष पर सुरक्षा बलों एवं विद्यार्थियों के परेडों का निरीक्षण किया।

सीएमडी, सीसीएल श्री सिंह ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी और वीर शहीदों के अतुल्य पराक्रम को नमन किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि जब तक देश सामाजिक, आर्थिक एवं मानसिक रूप से स्वतंत्र है, तब तक यह देश अनवरत विकास एवं उन्नति के मार्ग पर प्रशस्त रहेगा। देश के प्रगति के लिए आगामी दिनों में ऊर्जा आवश्यकताओं में बढ़ोतरी होगी। फलस्वरूप कोयले से उत्सर्जित ऊर्जा की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसी क्रम में सीसीएल निरंतर देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने सीसीएल टीम के प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि कंपनी ने विगत वर्ष के कोयला उत्पादन के लक्ष्य से ज्यादा सफलतापूर्वक हासिल किया है। श्री सिंह ने पर्यावरण संरक्षण को रेखांकित करते हुए कहा कि कंपनी द्वारा प्रत्येक वर्ष अपने कमान क्षेत्र और उसके आस–पास के क्षेत्रों में पौधारोपण किया जा रहा है। अब तक 5,300 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में 95 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। एक नई पहल के रूप में, कंपनी ने रजरप्पा क्षेत्र में 2 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में मियावाकि प्लांटेशन किया है, जिससे बहुत फायदा हुआ है।

कंपनी द्वारा हितधारकों के स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल एवं रोजगार सहित समावेशी विकास एवं सामाजिक उत्थान हेतु अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। कंपनी द्वारा समय–समय पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करती है, जिससे लाखों लोग लाभान्वित होते हैं। समाज के गरीब, ग्रामीण के मेधावी बच्चों को 'सीसीएल के लाल' एवं 'सीसीएल की लाडली' योजना के माध्यम से निःशुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान की जा रही है। साथ ही विद्यार्थियों के पठन–पाठन में गुणात्मक सुधार हेतु राँची विश्वविद्यालय के परिसर में 5000 सीटों वाली पुस्तकालय का निर्माण किया जा रहा है। जेएसएसपीएस (सीसीएल एवं राज्य सरकार की संयुक्त पहल) में नवोदित खिलाड़ियों के खेल को निखारने के उद्देश्य से उन्हें विश्वस्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर परेड का सलामी लेते सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह

अवसर विशेष पर मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में 100 लाभुकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में सीसीएल के सुरक्षा जवानों, सी आई एस एफ, एस आई एस एफ के जवानों, एन सी सी कैडेट्स एवं विभिन्न स्कूल के बच्चों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान डीएवी, गांधीनगर, केन्द्रीय विद्यालय एवं ज्ञानोदय स्कूल के विद्यार्थियों ने देश–भक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुती दी, जिसे उपस्थित सभी ने खूब सराहा।

Fuelling Sustainable Growth

राजभाषा में तकनीकी प्रयोग पर दो–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

विगत 12 अगस्त को सीसीएल मुख्यालय, राँची स्थित प्रकाश हॉल में राजभाषा में तकनीकी प्रयोग पर दो–दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसका मुख्य विषय 'उच्चस्तरीय एमएस ऑफिस व कृत्रिम मेधा' था। कार्यशाला का उद्घाटन सीसीएल के निदेशक (कार्मिक), श्री हर्ष नाथ मिश्र ने किया। कार्यशाला के प्रशिक्षक के रूप में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व मुख्य प्रबंधक, एडवांस माइक्रोसॉफ्ट के विशेषज्ञ श्री ओम प्रकाश अग्रवाल थे। इस कार्यशाला में मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों के कार्मिकों ने भाग लिया।

अवसर विशेष पर निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि ऑफिस के साथ–साथ दैनिक जीवन में भी कंम्प्यूटर की अनिवार्यता हो गयी है। उन्होंने आगे कहा कि आज का कार्यशाला इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि बेहतर तकनीक के साथ राजभाषा को आगे बढ़ाने का दायित्व हम सभी पर है। हम सभी 'क' क्षेत्र में आते हैं। इस कार्यशाला से भरपूर लाभ लेने का प्रयास करें और अपने साथी कर्मी से भी इस ज्ञान को साझा करें, तभी इस कार्यशाला का उद्देश्य सही रूप में पूरा होगा।

कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए महाप्रबंधक (अ.स्था./राजभाषा) श्री संजय ठाकुर ने कहा कि हमारे दैनिक कार्यनिष्पादन में एमएस वर्ड, एक्सेल से

कार्यशाला को संबोधित करते निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र

संबंधित जो भी समस्या आती है वह इस कार्यशाला से निश्चय ही हल हो सकता है।

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्री ओम प्रकाश अग्रवाल ने प्रतिभागियों को कंम्प्यूटर के नवीनतम तकनीक विशेषकर एम एस वर्ड को बहुत ही बारीकी रूप से समझाया ।

एलएमएस सॉफ्टवेयर लॉन्च

सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने सॉफ्टवेयर को लॉन्च किया

दिनांक 05 अगस्त सीएमडी सीसीएल श्री निलेन्दु कुमार सिंह द्वारा न्यायालयीन मामलों के प्रबंधन के लिए एक सॉफ्टवेयर लिटिगेशन मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) लॉन्च किया गया। अवसर विशेष पर निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा, सीवीओ श्री पंकज कुमार, महाप्रबंधक (सिस्टम) श्री विनय एस महाराज, विभागाध्यक्ष (विधि) श्री वी पी जोबी, और सीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। एलएमएस प्रबंधन को लंबित मुकदमों की निगरानी करने में सुगमता प्रदान करेगा । इस साफ्टवारे से लंबित न्यायलीन मामलों के आवश्यक कार्रवाई के लिए दी गई समयसीमा समाप्त होने पर डीलिंग अधिकारियों और उनके रिपोर्टिंग अधिकारियों को स्वचालित एसएमएस रिमाइंडर प्राप्त हो जाएगा। एलएमएस की रिपोर्ट में लंबित कार्रवाइयों का भी पता चल जाएगा। इस प्रणाली के प्रयोग से न्यायालयीन मामलों के निष्पादन मे और तेजी आएगी ।

यह कोल इंडिया लिमिटेड में विधिक मामलों के प्रबंधन हेतु अपनी तरह

विधिक मामलों के प्रबंधन हेतु सॉफ्टवेयर लॉन्च करते सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह

का पहला सॉफ्टवेयर है। निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में इसे सीसीएल के सिस्टम विभाग और विधि विभाग के संयुक्त प्रयास से सीसीएल द्वारा ही विकसित किया गया है।

जितना बड़ा संघर्ष होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।

-स्वामी विवेकानन्द

देवघर में सीसीएल द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

1,00,000 से ज्यादा लोगों ने लिया निःशुल्क चिकित्सा का लाभ

सीसीएल द्वारा बिहार एवं झारखंड के सीमा के पास अवस्थित दुम्मा में श्रावणी मेला के अवसर पर एक मासीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्रामीणों, हितधारकों एवं कामगारों के लिए सीसीएल के चिकित्सकों की टीम के द्वारा निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर आदि की जाँच के साथ फिजियोथेरेपी और निःशुल्क दवाओं की सुविधा दी जा रही है। सीसीएल के गिरिडीह क्षेत्र के सीएमओ डॉ. परिमल सिन्हा, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (ढोरी) डॉ. सुधांशु शर्मा और बीएंडके क्षेत्र के उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शंकर प्रसाद के कुशल मार्गदर्शन में, 7 अन्य चिकित्सा कर्मियों की एक समर्पित टीम शिविर में तीर्थयात्रियों के कल्याण के लिए लगातार काम की।

श्रावणी मेला के अवसर पर दुम्मा में आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर का एक दृश्य

21.07.2024 से आरंभ होकर 20.08.2024 तक चला यह शिविर चिकित्सा सेवाओं से परे, काँवरियों के लिए आराम का स्थान बन गया था। जिसमें शुद्ध पेयजल और ताजा चाय इत्यादि का प्रबंध भी किया गया था। इसके अलावा भी थके हुए श्रद्धालुओं के मांसपेशियों को आराम देने और असुविधा दूर करने के लिए शिविर में मुफ्त मालिश की सुविधा भी उपलब्ध थी।

यह आयोजन सीसीएल की समुदाय के प्रति लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सीसीएल द्वारा 2014 से सावन के महीने में दुम्मा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर से 1 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों और हितधारकों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

स्वस्थ तन, स्वस्थ मन – योग दिवस विशेष

दिनांक 21 जून, 2024 को प्रातः 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर सीसीएल द्वारा काँके रोड स्थित जवाहर नगर, राँची में योग शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह सहित निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री हरीश दुहान, सीवीओ श्री पंकज कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारीगण, महिलाएँ तथा बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी उपस्थित थे। सभी ने इस योग शिविर में उत्साह के साथ भाग लिया और इसका लाभ उठाया। योग शिविर में सभी ने योग की विभिन्न प्राणायामों का योगाभ्यास किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग करते सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह, निदेशकगण, सीवीओ एवं अन्य

सीएमडी श्री सिंह ने योग पर चर्चा करते हुये कहा कि नियमित योग करने से व्यक्ति के न केवल प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है बल्की बौद्धिक–मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध होता है। स्वस्थ जीवन के लिए योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है।

सीसीएल के सभी क्षेत्रों में भी योग शिविर का आयोजन कर 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस बना जागरूकता का उत्सव

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पुस्तक का उन्मोचन करते सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह, निदेशकगण, सीवीओ एवं अन्य

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 1 जून से 5 जून तक सीसीएल परिवार ने पर्यावरण जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यकर्मों का सफल आयोजन किया। 1 जून, 2024 को निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री सतीश झा ने उद्घाटन कर विभिन्न प्रतियोगिताओं का शुभ आरंभ किया जिनमें लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया। पेंटिंग, क्विज, स्लोगन, निबंध एवं कविता पाठ का आयोजन किया गया। 3 जून, 2024 को कर्मचारियों के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 4 जून, 2024 को सूती कपड़े का थैला एवं फलदार वृक्ष के पौधों का वितरण किया गया।

सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, राँची में आयोजित कार्यक्रम में सीसीएल के अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक, श्री निलेन्दु कुमार सिंह, निदेशक (वित्त), श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक), श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक तकनीकी (संचालन), श्री हरीश दुहान, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री सतीश झा, सीवीओ, श्री पंकज कुमार, विभागाध्यक्ष (पर्यावरण) श्री राज कुमार सहित विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी उपस्थित थे। पर्यावरण दिवस के अंतर्गत

अवसर विशेष पर पौधारोपण करते सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह, सीवीओ एवं अन्य

आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत कर उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। ज्ञातव्य हो कि कमांड क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पौधा एवं जूट बैग का वितरण किया गया। सीएमडी, श्री निलेन्दु कुमार सिंह की अध्यक्षता में ध्वजारोहण एवं शपथ ग्रहण किया गया।

जीवन का आधार वृक्ष है, धरती का श्रृंगार वृक्ष है।
प्राणवायु दे रहे सभी को, ऐसे परम उदता वृक्ष है।।

मई दिवस पर 'श्रमिक सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन

निविदा कर्मी सहित कंपनी के श्रमवीर हुए सम्मानित

दिनांक 01 मई को "अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस" के अवसर पर सीसीएल मुख्यालय, राँची में 'श्रमिक सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम सीसीएल के सीएमडी, श्री निलेन्दु कुमार सिंह, निदेशक (वित्त), श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक तकनीकी (संचालन), श्री हरीश दुहान, सीवीओ, श्री पंकज कुमार, मुख्यालय तथा क्षेत्र के महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्षगण, श्रमिक संघ के प्रतिनिधिगण सहित सीसीएल कर्मियों द्वारा दरभंगा हाउस प्रागंण में स्थित 'शहीद स्मारक' पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत शहीद सीसीएल कर्मियों, कर्मवीर दिवंगत सीसीएल सपूतों को पुष्पांजलि अर्पित कर शत–शत नमन किया। श्रमिक दिवस मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में मनाया गया।

सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह, उपस्थित सभी को मई दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुये कहा कि श्रमिक महज एक शब्द नहीं, अपितु श्रमिक एक ताकत है, ऊर्जा है एवं अनुभूति है। आगे अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि यह आप सबों के समर्पण एवं परिश्रम का ही परिणाम है कि सीसीएल ने वित्तीय वर्ष 23–24 में अपना उत्पादन लक्ष्य 84 मिलियन टन को पार करते हुए 86.1 मिलियन टन कोयले का उत्पादन कर नया कीर्तिमान स्थापित कर पाने में सफल हुआ है। इसमें नियमित कर्मियों के साथ–साथ आउटसौंसिंग कर्मियों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में जो लक्ष्य मिला है ,उसे भी हम सभी मिलकर निश्चित रूप से पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि श्रम हमारे आत्मविश्वास का प्रतीक है और हमें इसी श्रम से आगे बढ़ते हुए इतिहास रचना है। उन्होंने पूरी सीसीएल टीम खासकर निदेशकगणों की तारीफ करते हुए कहा कि विगत वर्षों के आंकड़े इस कथन को पुष्टि करते है । आगे उन्होंने कहा कि हम सभी संस्कार, दक्षता और टीम वर्क के साथ सभी मुकाम हासिल करेंगे और सीसीएल को नई ऊँचाइयों तक ले जायेंगे ।

श्रमिक सम्मान समारोह कें दौरान संबोधित करते अप्रनि श्री निलेंदु कुमार सिंह

निदेशक तकनीकी (संचालन), श्री हरीश दुहान ने अपने संबोधन में सभी को श्रमिक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि श्रम किसी भी रूप में सम्मानित रहता है और राष्ट्र के विकास की नींव श्रम से ही रखी जाती है।

निदेशक (वित्त), श्री पवन कुमार मिश्रा ने श्रमिक दिवस की हार्दिक बधाई देते हुये कहा कि श्रमिक दिवस श्रमिकों के संघर्ष का परिणाम है। कंपनी प्रत्यक्ष रूप से जुड़े श्रमिकों के साथ–साथ अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े श्रमिकों का भी सम्मान करती है और श्रमिकों के कल्याण के लिए कंपनी कृत्संकल्प है।

सीवीओ, श्री पंकज कुमार ने भी सभी गणमान्यों का हार्दिक स्वागत करते हुए श्रमिक दिवस की शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में श्रमिकों का महत्व था, है और रहेगा। हम सबों को ये जिम्मेदारी है कि सभी श्रमिकों का हम मन, वचन और कर्म से स्वागत करें और बेहतर कल के निर्माण के लिए उत्साह बढ़ाएँ।

श्रमिक संघ के सम्मानित सदस्य श्री रमेन्द्र कुमार सहित विभिन्न श्रमिक संघों के प्रतिनिधिगणों ने कंपनी के नए सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह का स्वागत करते हुए उपस्थित सभी को मई दिवस की बधाई दी। कंपनी के उत्तरोत्तर विकास में श्रमिकों की योगदान और उनकी भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सब मिलकर कम्पनी को नित्य नई ऊँचाइयों पर ले जाने का काम करेंगे।

इससे पूर्व समारोह का शुभारंभ सीएमडी, श्री निलेन्दु कुमार सिंह, निदेशकगण, सीवीओ एवं श्रमिक संघ के प्रतिनिधिगणों ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर सीसीएल मुख्यालय सहित सीसीएल के सभी क्षेत्रों से आये हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियो को विभिन्न श्रेणियों/कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु सम्मानित किया गया '।

श्रमिक सम्मान समारोह का एक दृश्य

सीसीएल को राजभाषा कार्यान्वयन के लिए प्रथम पुरस्कार

दिनांक 26.07.2024 को सीएमपीडीआईएल द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति उपक्रम (राँची) की छमाही बैठक में वार्षिक पुरस्कार योजना, 2023–24 के अंतर्गत राजभाषा कार्यान्वयन के लिए सीसीएल राँची को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सीसीएल की ओर से श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (कार्मिक), सीसीएल ने पुरस्कार ग्रहण किया।

उक्त आयोजन में सीसीएल के महाप्रबंधक राजभाषा, प्रबंधक (सचि./रा.भा.)/उप प्रबंधक राजभाषा एवं सहायक प्रबंधक (रा.भा.) ने भाग लिया। विगत छमाही में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति उपक्रम (राँची) के विभिन्न सदस्य कार्यालयों के द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में सीसीएल के 3 विजयी प्रतिभागियों को भी सम्मानित व पुरस्कृत किया गया।

पुरस्कार ग्रहण करते निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, महाप्रबंधक (रा.भा.), प्रबंधक (रा.भा.), उप प्रबंधक (रा.भा.) एवं सहायक प्रबंधक (रा.भा.)

ज्ञात हो की सीसीएल द्वारा राजभाषा 'हिंदी' का अधिक से अधिक प्रयोग करने हेतु समय – समय पर विभिन्न कार्यशालाएँ आयोजित किये जाते हैं, जिससे प्रेरित होकर सीसीएल के सभी कार्मिक अपने कार्यालयीन कार्य का निष्पादन हिंदी में करते हैं।

सीसीएल ने खान सुरक्षा में जीते 2 पुरस्कार

सयाल डी ओसीपी को लघु ओसीपी श्रेणी में प्रथम पुरस्कार और अशोक ओसीपी को मध्यम ओसीपी में द्वितीय पुरस्कार

सीसीएल ने 28 जुलाई 2024 को कोलकाता में आयोजित खान सुरक्षा पुरस्कार 2024 समारोह में दो पुरस्कार जीते। खान सुरक्षा महानिदेशालय (DGMS) के तत्वावधान में कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में सयाल डी ओपनकास्ट खदान को लघु ओपनकास्ट खदान श्रेणी में प्रथम पुरस्कार और अशोक ओपनकास्ट खदान को मध्यम ओपनकास्ट खदान श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार के इतिहास में पहली बार कोयला, धातु और तेल खनन कंपनियों के प्रतिभागियों ने एक साथ भाग लिया।

खान सुरक्षा महानिदेशक श्री प्रभात कुमार अवसर विशेष पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष श्री पी.एम. प्रसाद ने समारोह की अध्यक्षता की। डीजीएमएस, कोल इंडिया लिमिटेड और अन्य कंपनियों के सामूहिक प्रयासों ने खदानों में उच्च सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के महत्व को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया।

पुरस्कार के साथ सीएमडी, सीसीएल श्री निलेन्दु कुमार सिंह

सीसीएल को मिला गौरवपूर्ण कॉर्पोरेट सम्मान

कोल इंडिया लिमिटेड/सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर कोल इंडिया में आयोजित समारोह में सीसीएल को हाईएस्ट डिपार्टमेंटल कैपेसिटी यूटीलाइजेशन, एम्पलॉई वेलफेयर, सीएसआर एवं क्लीनलीनेस ऑफ कॉलोनी मेंटेनेंस एवं सीएसआर एक्सपेंडिचर में द्वितीय पुरस्कार मिला। इसके अलावा व्यक्तिगत केटेगरी में विजिलेंस एक्सीलेंस अवार्ड श्री बिमल कुमार को, इंडिविजुअल एक्सीलेंस अवार्ड श्री एस. के. सिंह को, बेस्ट एचओडी का अवार्ड श्री अजय सिंह को एवं बेस्ट एरिया जीएम श्री अजय सिंह को दिया गया।

माननीय केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री, भारत सरकार श्री जी. किशन रेड्डी से सीएसआर एक्सपेंडिचर में कॉर्पोरेट अवार्ड ग्रहण करते सीएमडी सीसीएल श्री निलेन्दु कुमार सिंह

सीआईएल चेयरमैन श्री पीएम प्रसाद से अवार्ड ग्रहण करते सीसीएल के अधिकारी

इस अवसर पर माननीय केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री, भारत सरकार श्री जी. किशन रेड्डी, सचिव, कोयला मंत्रालय, श्री विक्रम देव दत्त, अतिरिक्त सचिव, कोयला मंत्रालय, श्रीमती रूपिंदर बरार, अतिरिक्त सचिव, कोयला मंत्रालय, श्रीमती विस्मिता तेजय कोल इंडिया के अध्यक्ष, श्री पी.एम. प्रसाद, निदेशक (पी एंड आईआर), श्री विनय रंजन, निदेशक (व्यवसाय विकास), श्री देबाशीष नंदाय निदेशक (विपणन), श्री मुकेश चौधरी, निदेशक (वित्त), श्री मुकेश अग्रवाल, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री ब्रजेश कुमार त्रिपाठी तथा सीसीएल के सीएमडी श्री एनके सिंह एवं विभिन्न कंपनियों के सीएमडी सहित कोल इंडिया तथा सीसीएल प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

उत्कृष्ट सीएसआर योजनाओं के लिए सीसीएल पुरस्कृत

सीसीएल ने नई दिल्ली में आईएचडब्ल्यू परिषद (IHW Council) द्वारा आयोजित "8वें सीएसआर हेल्थ इम्पैक्ट अवार्ड" ("8th Health Impact Award") में 3 पुरस्कार जीते। सीसीएल के अधिकारीगणों ने यह पुरस्कार पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी कुमार चौबे के हाथों प्राप्त किया। सीसीएल ने निम्न तीन श्रेणियों :

वर्ष की सबसे नवीन सीएसआर परियोजना (Most Innovative CSR Project of the Year) में स्वर्ण, सीएसआर खेल संवर्धन परियोजना (CSR Sports Promotion Project) में स्वर्ण एवं सीएसआर सतत आजीविका परियोजना (CSR Sustainable Livelihood Project) में कांस्य पुरस्कार जीता।

सीसीएल हितधारकों के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है। कंपनी शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल एवं सतत विकास को समर्पित कई पहलों का सफलता पूर्वक संचालन करते हुए राष्ट्र की ऊर्जा अवश्यकताओं की पूर्ती करते हुए प्रगति पथ पर अग्रसर है।

"8वें सीएसआर हेल्थ इम्पैक्ट अवार्ड" के दौरान पुरस्कार के साथ सीसीएल के अधिकारीगण

चार खुली खदान 5–स्टार रेटिंग से पुरस्कृत

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की चार खुली खदानों – मगध, आम्रपाली, नॉर्थ उरीमारी, और अशोका को 'कोयला एवं लिग्नाइट खदानों के लिए स्टार रेटिंग पुरस्कार' के भव्य कार्यक्रम में प्रतिष्ठित 5–स्टार रेटिंग से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार माननीय कोयला और खान मंत्री, भारत सरकार, श्री जी. किशन रेड्डी और माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री सतीश चंद्र दुबे द्वारा, कोयला सचिव श्री विक्रम देव दत्त, कोयला मंत्रालय की अपर सचिव श्रीमति विस्मिता तेज, श्रीमति रूपिन्दर बरार, कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन श्री पीएम प्रसाद, सीसीएल सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह, सीसीएल के निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री सतीश झा, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री हरीश दुहान और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया गया।

5–स्टार रेटिंग इन खदानों द्वारा स्थायी खनन प्रथाओं, पर्यावरणीय मानदंडों के अनुपालन और सामाजिक और आर्थिक विकास में उनके योगदान की उत्कृष्टता को दर्शाती है।

इस अवसर पर, माननीय कोयला मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने सीसीएल के प्रयासों की सराहना की और राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा के लिए स्थायी खनन प्रथाओं के महत्व पर बल दिया। माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने कोयला खनन में नवीनता और सर्वोत्तम प्रथाओं की भूमिका पर जोर दिया, जिससे पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव पड़े और कार्यक्षमता अधिकतम हो।

माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे से पुरस्कार प्राप्त करते सीसीएल सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह। साथ में सीआईएल अध्यक्ष श्री पीएम प्रसादएव अन्य गणमान्य

सीएमडी सीसीएल श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने इस पुरस्कार को प्राप्त करने पर हर्ष व्यक्त किया और संचालन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के साथ–साथ पर्यावरणीय और सामाजिक जिम्मेदारी के उच्चतम मानकों का पालन करने की सीसीएल की प्रतिबद्धता को दोहराया।

यह पुरस्कार सीसीएल की स्थायी खनन की दिशा में जारी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह देश के ऊर्जा सुरक्षा मे सीसीएल के योगदान को रेखांकित करता है ।

निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र "टॉप एचआर इनोवेटर" पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई में आयोजित वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र को मानव संसाधन प्रबंधन (एचआर) में उत्कृष्ट नवाचार और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए "टॉप एचआर इनोवेटर" पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री मिश्र के नेतृत्व में, सीसीएल ने एचआर एवं कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावशाली पहल की हैं, जो न केवल संगठन के भीतर एक समावेशी और सशक्त कार्य संस्कृति विकसित कर रही हैं, बल्कि व्यापक सामाजिक प्रभाव भी उत्पन्न कर रही हैं।

श्री मिश्र के मार्गदर्शन में सीसीएल ने मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में अनेक प्रगतिशील नीतियों को लागू किया है, जिनमें कर्मचारी सशक्तिकरण, नेतृत्व विकास, कौशल संवर्धन एवं कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके साथ ही, सीएसआर के अंतर्गत सीसीएल द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन किया जा रहा है, जिससे समाज के वंचित वर्गों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो रहा है।

उनके नेतृत्व में सीसीएल ने एचआर प्रबंधन में नवीनतम प्रथाओं को अपनाते हुए उत्कृष्टता के नए मानदंड स्थापित किए हैं।

"टॉप एचआर इनोवेटर" पुरस्कार प्राप्त करते सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र

गोवा में 'नया भारत : ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' की तीसरी डेस्टिनेशन प्रदर्शनी में 'सर्वश्रेष्ठ स्टॉल' का पुरस्कार सीसीएल ने जीता

गोवा में आयोजित 'ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' की तीसरी डेस्टिनेशन प्रदर्शनी में सीसीएल ने भाग लेते हुए एक जीवंत प्रदर्शनी लगायी जिसमें कंपनी की उपलब्धियों, अभिनव पहलों और प्रदर्शन को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का विषय 'आत्मनिर्भर भारत–विकसित भारत' था।

प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय राज्य सभा सांसद श्री सदानंद सेठ तनावड़े ने किया। इस अवसर पर गोवा के माननीय पर्यटन मंत्री श्री रोहन ए. खाउंटे तथा श्री मौविन गोधीनो सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

श्री प्रमोद सावंत माननीय मुख्यमंत्री, गोवा ने सीसीएल स्टॉल का दौरा किया और सीसीएल के प्रयासों की सराहना की।

सीसीएल ने उक्त प्रदर्शनी में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल का पुरस्कार जीता। श्री आलोक कुमार विभागाध्यक्ष (सीसी एंड पीआर) ने पुरस्कार प्राप्त कर सीसीएल के सीएमडी श्री एन. के. सिंह को भेंट की।

गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते हुए सीसी एंड पीआर के विभागाध्यक्ष श्री आलेक कुमार

विभागाध्यक्ष (सीसी एंड पीआर) श्री आलोक कुमार गोवा में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल का पुरस्कार प्राप्त करते हुए

गोवा में सीसीएल स्टॉल का एक दृश्य

प्रबंधक (सीडी) श्री मयंक कश्यप की पुस्तक 'ओडिसी ऑफ डेज' बनी अमेजन बेस्टसेलर

श्री हरिवंश, राज्य सभा के उपसभापति ने विगत 29.12.24 को सीसीएल के सीसी एंड पीआर विभाग में प्रबंधक के रूप में कार्यरत श्री मयंक कश्यप के तीसरे उपन्यास, 'ओडिसी ऑफ डेज' का लोकार्पण किया। यह पुस्तक रोमांस में एक वैश्विक अमेज़ॅन बेस्टसेलर बन गई है, जिसने नशीली दवाओं की लत के बीच भाई–बहन के रिश्ते की कहानी के लिए प्रशंसात्मक समीक्षा प्राप्त की है। लॉन्च कार्यक्रम में पद्म श्री अशोक भगत और श्री निलेन्दु कुमार सिंह, सीएमडी सीसीएल सहित अन्य कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

यह उपन्यास श्री मयंक कश्यप का तीसरा उपन्यास है। उनके द्वारा पूर्व में कई और भी किताबें लिखी गई हैं। उन्हें पहले झारखंड के तत्कालीन राज्यपाल और भारत की वर्तमान राष्ट्रपति माननीय द्रौपदी मुर्मू को अपनी पिछली किताबें भेंट करने का सम्मान भी मिला था।

सतत् विकास की कहानी बयां करता आम्रपाली एवं चन्द्रगुप्त क्षेत्र

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, महारत्न कम्पनी कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है। झारखंड स्थित इस कंपनी का मुख्यालय राँची में है। वर्तमान में यह कंपनी झारखंड राज्य के आठ जिलों में खनन गतिविधियाँ कर रही है। कंपनी की स्थापना 1975 में हुई थी और इसे वर्ष 2007 में श्रेणी–1 में एक 'मिनीरत्न कंपनी' का दर्जा प्राप्त हुआ। सीसीएल झारखंड राज्य के आठ जिलों में अपनी सामाजिक जिम्मेवारी का पालन करते हुए राज्य के विकास में अपनी भागीदारी निभा रहा है जिनमें राँची, रामगढ़, चतरा, लातेहार, पलामू, गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो हैं।

राज्य के खजाने में सबसे अधिक योगदान देने वालों में से सीसीएल एक है और झारखंड राज्य में सबसे बड़े नियोक्ताओं में भी एक है। सीसीएल का देश के कोयला उत्पादन में बहुमूल्य योगदान है। वर्तमान में सीसीएल में 36 खदानें हैं – जिनमें 3 भूमिगत एवं 33 खुली खदानें, 5 वाशरियाँ जिनमें 4 कोकिंग (कथारा, रजरप्पा, केदला एवं स्वांग) और 1 नॉन–कोकिंग (पिपरवार) संचालित हो रही हैं। सीसीएल के 7 कोलफील्ड्स (पूर्वी बोकारो, पश्चिमी बोकारो, उत्तरी कर्णपुरा, दक्षिणी कर्णपुरा, रामगढ़, गिरिडीह और हुटार) हैं।

खदान से बाजार तक सर्वोत्तम प्रक्रिया के माध्यम से देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने के साथ–साथ पर्यावरण एवं सामाजिक रूप से स्थाई विकास को प्राप्त करते हुए प्राथमिक ऊर्जा क्षेत्र में राष्ट्रीय अग्रणी के रूप में उभरने का संकल्प लिए सीसीएल का उद्देश्य सुरक्षा, संरक्षण और गुणवत्ता पर ध्यान देते हुए प्रभावकारी ढंग से मितव्ययितापूर्वक सुनियोजित मात्रा में कोयला तथा कोयला उत्पाद का सुनियोजित मात्रा में उत्पादन और विपणन करना है। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के कई अन्य प्रमुख उद्देश्य भी हैं, जिनमें कुछ निम्नलिखित हैं :

1. संसाधनों की उत्पादकता में सुधार करके आंतरिक संसाधनों के उत्पादन को अनुकूलित करना, बर्बादी को रोकना और निवेश की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त बाहरी संसाधन जुटाना।
2. सुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखना और कोयले के दुर्घटना–मुक्त खनन के लिए प्रयास करना।
3. वनीकरण, पर्यावरण की सुरक्षा और प्रदूषण के नियंत्रण पर जोर देना।
4. भविष्य में कोयले की मांग को पूरा करने के लिए नई परियोजनाओं की विस्तृत खोज और योजना बनाना।
5. मौजूदा खदानों का आधुनिकीकरण करना।
6. कोयला खनन के साथ–साथ कोयला लाभकारी की तकनीकी जानकारी और संगठनात्मक क्षमता विकसित करना और जहाँ भी आवश्यक हो, कोयले के अधिक से अधिक निष्कर्षण के लिए वैज्ञानिक अन्वेषण से संबंधित अनुप्रयुक्त अनुसंधान और विकास कार्य करना।
7. कर्मचारियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना और बड़े पैमाने पर समाज और विशेष रूप से कोयला क्षेत्रों के आसपास के समुदाय के प्रति कॉर्पोरेट दायित्वों का निर्वहन करना।
8. संचालन को चलाने के लिए पर्याप्त संख्या में कुशल जनशक्ति प्रदान करना और कौशल उन्नयन के लिए तकनीकी और प्रबंधकीय प्रशिक्षण प्रदान करना।
9. उपभोक्ता संतुष्टि में सुधार करना, इत्यादि।

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड देश की ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति हेतु कृतसंकल्पित है। ऊर्जा क्षेत्र में कोयले की मांग को पूरा करने में सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

इसी कड़ी में झारखंड राज्य के चतरा जिले में स्थित आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का एक प्रमुख कोयला खनन क्षेत्र है। आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र सीसीएल की बहुत ही महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी क्षेत्र है। इसके अंतर्गत आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त नामक दो परियोजनाएँ हैं। इसमें चन्द्रगुप्त परियोजना का परिचालन शुरू होना अभी बाकी है।

वित्त वर्ष 2023–24 में इस क्षेत्र ने 22.58 मिलियन टन कोयला उत्पादन कर सीसीएल को अपने निर्धारित लक्ष्य को पार करने में बहुमूल्य योगदान दिया है। साथ ही, 28.58 मिलियन क्यूबिक मीटर का ओवरबर्डन रिमूवल और 21.67 मिलियन टन कोयले का प्रेषण भी किया है। ज्ञातव्य हो कि सीसीएल झारखण्ड राज्य सरकार के खजाने में सबसे ज्यादा राजस्व का योगदान देती है। यह क्षेत्र राज्य और देश के ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आम्रपाली परियोजना में लगभग 467 MT कोयले का भंडार है, वहीं दूसरी परियोजना चंद्रगुप्त में 527 MT कोयले का भंडार है। वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए, परियोजना का लक्ष्य 24 मिलियन टन का कोयला उत्पादन लक्ष्य प्राप्त करना है।

आम्रपाली–चंद्रगुप्त ओपनकास्ट परियोजना शॉवेल एवं डम्पर संयोजन के माध्यम से सरफेस माइनर (ब्लास्टिंग फ्री तकनीक) एवं अन्य आधुनिक मशीनों का उपयोग करके पर्यावरण–अनुकूल खनन कर रहा है। यह परियोजना न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव सुनिश्चित करते हुए अधिकतम कोयला उत्पादन करने में सफल रही है।

यह क्षेत्र अपनी परिचालन उपलब्धियों के अलावा, कमान क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, सामुदायिक विकास और कौशल प्रशिक्षण इत्यादि लोक कल्याणकारी पहल से क्षेत्र के लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है।

स्वास्थ्य : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड ने टंडवा ब्लॉक, चतरा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में एक ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित किया है, जो गंभीर मरीजों के इलाज में काफी मददगार है। साथ ही, नियमित रूप से विभिन्न स्थानों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाता है जिसका लाभ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उठा रहे है। क्षेत्र की ये गतिविधियाँ सामुदायिक विकास और कल्याण के लिए परियोजना के समर्पण को उजागर करता है। इसके अतिरिक्त, टंडवा क्षेत्र विकास कार्यक्रम (टीएडीपी) के हिस्से के रूप में सदर अस्पताल, चतरा में आईसीयू बेड स्थापित किए गए हैं।

शिक्षा : सीसीएल ने विद्यार्थिओं के बहुआयामी विकास के लिए 30 सरकारी स्कूलों में 54 स्मार्ट कक्षाएँ स्थापित की हैं । साथ ही कंपनी

ने स्कूली बच्चों के लिए 500 डेस्क, बेंच एवं बच्चों के परिवहन के लिए 52–सीटर स्कूल बस भी उपलब्ध कराई है। इसके अतिरिक्त, छात्रों को स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के लिए 20 आरओ युक्त सयंत्र स्थापित किया है। सीसीएल के इन पहलों से स्कूल में नामांकन दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई हैं और स्कूल छोड़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम हुई है।

सामुदायिक विकास और कौशल प्रशिक्षण : कंपनी ने विभिन्न गाँवों में 1500 सोलर लाइट और 43 हाई मास्ट सोलर लाइट स्थापित किया है। इस क्षेत्र के निवासियों को सुगम पेयजल उपलब्धता हेतु 16 सौर ऊर्जा संचालित बोरवेल का निर्माण भी किया हैं। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 20 व्यक्तियों को मोटर चालित तिपहिया साइकिल और कृत्रिम अंग प्रदान किए हैं, जिससे उनका जीवन सुगम और सुलभ हो पाया है। साथ ही स्थानीय युवाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु 35 बैटरी संचालित तिपहिया साइकिल का वितरण किया गया हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने स्वरोजगार को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन के उद्देश्य से एचएमवी प्रशिक्षण के माध्यम से कॉमर्शियल ड्राइविंग में 27 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया है। कर्मियों के आवासीय सुविधा हेतु एक स्मार्ट टाउनशिप का निर्माण प्रगति पर है। उपरोक्त पहल हितधारकों के कल्याण एवं समावेशी विकास के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

ये उपलब्धियाँ और सीएसआर पहल, आम्रपाली–चंद्रगुप्त ओपनकास्ट प्रोजेक्ट के परिचालन उत्कृष्टता और सामुदायिक विकास के प्रति समर्पण को प्रदर्शित करती हैं। इस प्रकार आम्रपाली–चंद्रगुप्त क्षेत्र कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष श्री पी. एम. प्रसाद के मार्गदर्शन और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह के नेतृत्व से प्रेरित होकर, देश की ऊर्जा मांगों को पूरा करने के साथ – साथ श्रमिकों एवं हितधारकों के समावेशी विकास की दिशा में सफलतापूर्वक अग्रसर है।

इको फ्रेंडली और सस्टेनेबल माइनिंग के लिए प्रतिबद्ध सीसीएल

झारखंड स्थित सीसीएल अपने विभिन्न गतिविधियों द्वारा राष्ट्र के ऊर्जा सुरक्षा के प्रति कृत संकल्पित है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024 –2025 में अपनी स्थापना के बाद उत्पादन एवं प्रेषण में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

झारखंड के आठ जिलों में फैली कंपनी के खनन क्षेत्र में सस्टेनेबल एवं पर्यावरण अनुकूल खनन तरीकों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सीसीएल की खदानें सर्वोत्तम टिकाऊ खनन का प्रतिनिधित्व करती हैं। कंपनी विभिन्न आधुनिक तकनीकों एवं नवाचार का इस्तेमाल कर न केवल कार्बन उत्सर्जन में कमी ला रही है, अपितु संसाधन एवं ऊर्जा की बचत भी कर रही है। कंपनी का उद्देश्य पर्यावरण और सामुदायिक विकास के लिए सकारात्मक बदलाव हेतु खनन को एक साधन के रूप में प्रयोग करना है।

हेवी मशीनों का प्रयोग : सीसीएल में विभिन्न हेवी मशीनों का उपयोग कर न केवल उत्पादन क्षमता का विस्तार किया जा रहा है बल्कि कार्बन उत्सर्जन में भी भारी कमी लाने का सार्थक और सफल प्रयास किया जा रहा है। इसमें सरफेस माइनर, ड्रैगलाइन इत्यादि मशीनें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सरफेस माइनर के प्रयोग से ब्लास्टिंग, क्रशिंग इत्यादि की आवश्यकता नहीं रहती, जिससे पर्यावरण प्रदूषण में कमी आती है।

कोल हैंडलिंग प्लांट : फर्स्ट माइल रेल कनेक्टिविटी की दिशा में कोल हैंडलिंग प्लांट एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिससे सीसीएल के कोयला खदानों से उत्पादित कोयले को निकटतम रेलवे सर्किट तक ले जाया जाता है, जिसके फलस्वरूप कोयला को देश भर में ताप विद्युत संयंत्रों तथा अन्य उपभोक्ताओं तक आसानी से कम समय में पहुँचाने में मदद मिलती है। पूर्व में, इन खानों से कोयला टिपर द्वारा सड़क मार्ग से रेलवे साइडिंग तक लाया जाता था।

इस संयंत्र में रिसीविंग हॉपर, क्रशर, कोयला भंडारण, बंकर और कन्वेयर बेल्ट सम्मिलित हैं, जिनकी सहायता से कोयले को साइलो बंकर द्वारा रेलवे वैगनों में स्थानांतरित किया जाता है। इस प्लांट के आरंभ हो जाने से सड़क मार्ग से कोयले का यातायात कम होगा जिससे धूल जनित प्रदूषण न्यून हो जाएगा।

मोबाइल स्प्रिंकलर : खनन क्षेत्रों में कंपनी धूल के कणों को नियंत्रित करने के लिए मोबाइल स्प्रिंकलर का उपयोग कर रही है। लगभग सभी खुली खदानों में बड़ी क्षमता वाले मोबाइल स्प्रिंकलर हैं। 28 KL क्षमता के 61 मोबाइल स्प्रिंकलर तैनात किए गए हैं । सीसीएल ने वर्तमान में मिस्ट टाइप (Mist) के स्प्रिंकलर खरीदने की पहल की है, जो तकनीकी रूप से सामान्य स्प्रिंकलर से बेहतर हैं। इसी प्रकार, धूल नियंत्रण के लिए 27 ट्रॉली माउंटेड फॉग कैनन भी तैनात किए गए हैं।

सीसीएल ने नेट जीरो कार्बन एमिशन के लिए 2026 तक 425 मेगावाट सोलर पावर प्लांट बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें 20 मेगावाट सोलर प्लांट पिपरवार क्षेत्र में बन रहा है। हरित आवरण के वृद्धि के लिए सीसीएल द्वारा वर्ष 2023 में 231 हेक्टेयर से अधिक भूमि में पौधारोपण किया गया है। साथ ही एक नई पहल के रूप में रजरप्पा क्षेत्र में मियावाकी विधि से वृक्षारोपण किया गया है।

सीसीएल अंतर–क्षेत्रीय हॉकी महोत्सव, 2024

अरगडा क्षेत्र में खेल भावना और उत्कृष्टता का उत्सव

सीसीएल द्वारा आयोजित अंतर–क्षेत्रीय हॉकी महोत्सव, 2024 का भव्य आयोजन 26 दिसंबर से 29 दिसंबर, 2024 तक अरगडा क्षेत्र के गिद्दी–'सी' फुटबॉल स्टेडियम में हुआ। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में सीसीएल के विभिन्न कमांड क्षेत्रों की 12 टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट का उद्घाटन 26 दिसंबर 2024 को श्री संजय कुमार झा, महाप्रबंधक, अरगडा क्षेत्र द्वारा किया गया।

29 दिसंबर 2024 को फाइनल मुकाबले और समापन समारोह का आयोजन गिद्दी–'सी' फुटबॉल मैदान में हुआ। इस अवसर पर सीसीएल के निदेशक (कार्मिक), श्री हर्ष नाथ मिश्र ने मुख्य अतिथि के रूप में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल भावना को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी शुभकामनाएँ दीं। हजारीबाग क्षेत्र की टीम ने बरका सयाल क्षेत्र की टीम को 1–0 के करीबी अंतर से पराजित कर चौंपियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

'मैन ऑफ द मैच' और 'मैन ऑफ द सीरीज' का खिताब हजारीबाग क्षेत्र के श्री आनंद कुमार ने अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जीता। 'सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर' का पुरस्कार हजारीबाग क्षेत्र के श्री गुणीलाल मांझी को दिया गया। 'सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर' का सम्मान बरका सयाल क्षेत्र के श्री रमेश हांसदा को मिला। 'सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर' का पुरस्कार बरका सयालक्षेत्र के श्री राजू मुर्मू को प्रदान किया गया।

अंतर–क्षेत्रीय हॉकी महोत्सव, 2024 के फाइनल मैच के अवसर पर आयोजकों के साथ उपस्थित निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र

समापन समारोह के दौरान सीसीएल के निदेशक (कार्मिक), श्री हर्ष नाथ मिश्र की उपस्थिति में हजारीबाग क्षेत्र को अगले वर्ष के सीसीएल अंतर–क्षेत्रीय हॉकी महोत्सव की मेजबानी की जिम्मेदारी सौंपी गई। निदेशक महोदय द्वारा खिलाड़ियों, कोच और सभी सहभागी टीमों को खेल भावना बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

सीसीएल द्वारा ई–ऑटो रिक्शा वितरण

महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सेवा में एक नई पहल

सीसीएल द्वारा 7 दिसम्बर को सीएसआर के तहत महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सेवा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अनूठी पहल की गई। एनसीडीसी फाउंडेशन दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सीसीएल के सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह और अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में 10 ई–ऑटो रिक्शा का वितरण किया गया। इन ई–ऑटो रिक्शा का उद्देश्य टीबी एवं अन्य रोगियों को अस्पताल परिसर के भीतर और आसपास की परिवहन सुविधाएँ प्रदान करना है। इसके साथ ही, यह पहल आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं को आजीविका का स्थायी साधन भी प्रदान करती है।

इस परियोजना के तहत, 10 वंचित महिलाओं को ई–रिक्शा चलाने का प्रशिक्षण दिया गया और रामकृष्ण मिशन के मार्गदर्शन में उनकी निगरानी की जा रही है। बैटरी चालित ये ई–रिक्शा न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि इनके रखरखाव का खर्च भी बेहद कम है। इस पहल का स्थानीय महिलाओं ने हर्षपूर्वक स्वागत किया।

ई–रिक्शा प्राप्त करने वाली महिलाओं ने सीसीएल और रामकृष्ण मिशन का आभार व्यक्त किया और इस परियोजना को 'जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाली' पहल बताया। इस अवसर पर सीएमडी सीसीएल श्री निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि यह पहल स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाने और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एनसीडीसी स्थापना दिवस के अवसर पर गणमान्य अतिथियों द्वारा 10 वंचित महिलाओं को ई–ऑटो रिक्शा वितरण का दृश्य

सर्वोच्च न्यायालय की 75वीं वर्षगांठ पर 100 लाभुकों के बीच अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र का वितरण

सर्वोच्च न्यायालय की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर माननीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल की गरीमामयी उपस्थिति में माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री डी. वाई. चंद्रचूड़ द्वारा अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र वितरण का एक दृश्य

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित विशेष लोक अदालत सप्ताह (29 जुलाई से 03 अगस्त, 2024) के दौरान विगत 03 अगस्त को भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश डॉ. डी. वाई. चंद्रचूड़ के कर कमलों द्वारा माननीय विधि एवं न्याय मंत्री, श्री अर्जुन राम मेघवाल की गरिमामयी उपस्थिति में कोल इंडिया के 10 महिलाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इनमे सीसीएल की 2 महिलाएँ – श्रीमती नीतू कुमारी, बरका–सयाल क्षेत्र एवं श्रीमती संतोसिनी बिसाई, एनके क्षेत्र, शामिल थीं।

पूरे कोल इंडिया में 424 लाभुकों को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति पत्र प्रदान किये गए, जिनमें सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों के कुल 100 लाभुक शामिल थे। सीसीएल के क्षेत्रवार नियुक्ति पत्र वितरण का विवरण इस प्रकार है : रजरप्पा – 05, हजारीबाग – 13, कुजू – 08, अरगड़ा – 13, बरका–सयाल – 20, एनके – 07, पिपरवार – 05, ढोरी – 09, बीएंडके – 06, कथारा – 11, सीआरएस, बरकाकाना – 01, मगध–संघमित्रा – 01 एवं आम्रपाली–चन्द्रगुप्त – 01। नियुक्ति पत्र वितरण हेतु पूरे कोल इंडिया में विशेष कार्यक्रम आयोजित किये गए थे ।

इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के अपर सचिव, श्रीमती रूपिंदर बरार, कोल इंडिया लि. के अध्यक्ष श्री पीएम प्रसाद, निदेशक (कार्मिक), श्री विनय रंजन के साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यालय में 'वाल म्यूरल पेंटिंग' का अनावरण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 05 जून, 2024 को सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, राँची में एक आकर्षक 'वाल म्यूरल पेंटिंग' का उद्घाटन किया गया। कोल कर्मियों को समर्पित इस 'वाल म्यूरल पेंटिंग' का उद्घाटन जेएसएसपीएस के श्री नारायण महतो, जिन्होंने एशियन साइकिलिंग ट्रैक चैंपियनशिप के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरुष जूनियर कैटेगरी में रजत पदक जीता था, एवं सीसीएल के चमकते सितारे यानि सीसीएल के लाल – लाडली के छात्र – छात्राओं द्वारा सीएमडी सीसीएल श्री निलेन्दु कुमार सिंह के आशीर्वाद से किया गया। अवसर विशेष पर विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक), श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री सतीश झा, निदेशक तकनीकी (संचा.) श्री हरीश दुहान, सीवीओ, श्री पंकज कुमार, विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी उपस्थित थे।

हितधारकों एवं कर्मियों के भीतर खुशी और सकारात्मकता के प्रसार एवं मुख्यालय परिसर को सुन्दर बनाने हेतु, सीसी एण्ड पीआर विभाग ने एक जीवंत वॉल म्यूरल पेटिंग का निर्माण करवाया है, जो सीसीएल के समावेशी विकास के थीम पर आधारित है। यह पहल न केवल विभाग की रचनात्मकता को प्रदर्शित करती है बल्कि कम्पनी परिसर के स्थानों के वातावरण को बेहतर बनाने में कला के महत्व पर भी प्रकाश डालती है।

सीसीएल मुख्यालय में 'वाल म्यूरल पेंटिंग'

चाँद पर भारत

धरती से ले कर चाँद तलक,
दूरी तो हमने नाप लिया,
मेहनतकश, हम सामर्थ्यवान
मुल्कों ने हमारे मूल्यों को,
अब आज है बस पहचान लिया
हम विश्व गुरु, हम हैं अखंड,
सूरज–सदृश, ज्वाला–प्रचंड
पानी–से शीतल भी हम हैं,
जो पाया अब तक, ना घमंड
ऐसा तो नया है कि हमको,
सारा कुछ मुफ्त मिला है बस
मेहनत की है, संघर्ष किया
खोया है भी हमने कुछ,
तब जा के यह पाया है सब
क्या एक कहावत सुनी कभी
"कि ना एक दिन में था रोम बना"
ना एक दिन में थे राम बने
ना बनी थीं एक दिन में सीता
ना एक दिन में कृष्ण बलराम बने
बनना है अगर जो श्रेष्ठ सदा,
इतिहास बनाना पड़ता है,
मर्यादा के उत्तम प्रमाण,
देकर कुछ खोना पड़ता है,
अमृत दुर्लभ, बस गरल शेष,
लेकर निज की अस्थि– मशाल,
तम दूर भगाना पड़ता है
आओ मिलकर कर लें ये प्रण
मेहनत कर हम सब पाएंगे,
गर चाँद मिला है छूने को,
तो सूरज भी छू जाएंगे।।

– दिव्या सिंह
प्रबंधक (ई एंड एम)

बदलता जमाना

बदला–बदला सा है ये जमाना
एक दुजे से मेल नहीं है।

हरियाली अब उजड़ गई है।
कोयलिया की कूक नहीं है।

आया जमाना फ्लैट कल्चर का
देहरी आँगन धूप नहीं है।

हर घर के छत पर पानी टंकी
ताल–तलैया कूप नहीं है।

लाज शरम अब रहा नहीं किसी को
घूँघट वाला रूप नहीं है।

मोबाइल पर लगा जमाना
यार दोस्त का साथ नहीं है।

कैसे लोग मतलबी हो गए
मदद करे वो हाथ नहीं है।

परिवार वंधु सब बिछड़ गए हैं
माता–पिता का साथ नहीं है।

काश फिर आए वो जमाना
खुशहाल जीवन का रूप यही है।

प्रभु ला दो ऐसा परिवर्तन
लोग कहें मुझे किसी से भेद नहीं है।

– मनोज कुमार सहाय
भंडारपाल, एस.डी. एवं सी.एस.आर. विभाग

सत्संग का फल

था गुलाब का पेड़ कहीं पर,
फूल खिले थे उसमें सुंदर।

लड़का एक वहाँ पर जाकर,
सूंघा ढेला एक उठाकर।

उसको हुआ अचंभा भारी,
घर को चला छोड़ फुलवारी।

दादा से आ पूछा भाई,
क्यों ढेले में खुशबू आई।

दादा ने उसको समझाया,
फूल कहीं पर झड़ते होंगे।

उसके ऊपर पड़ते होंगे,
इससे उसमें खुशबू आई।

संगत का फल मीठा भाई।

– अशोक कुमार
उप प्रबंधक (सर्वेक्षण), सुरक्षा एवं बचाव विभाग

श्रमिकों का जयघोष

धरती के सीने से ऊर्जा जगाते,
अंधेरों में रहकर उजाले जलाते।

जिनके पसीने से चलता जहान,
वो कोयला श्रमिक हैं देश की पहचान।

लोहे की नसें, हौसले की शान,
हर चुनौती पर जिनका होता कमान।

अंधेरी खदानों को रौशनी से भरते,
अपने श्रम से नए इतिहास रचते।

झुकती नहीं पीठ, थमती नहीं चाल,
हर कण में दिखे उनका श्रम विशाल।

तपती दुपहरी हो या सर्द रातें,
हर पल कर्म का दीप जलाते।

कोयले के कण–कण में है उनका जज्बा,
हर फावड़ा उठाए उम्मीदों का रस्ता।

देश के इंजन को चलाने का प्रण,
उनकी मेहनत से रचता है स्वर्ण।

तो आओ करें इनका मान–सम्मान,
कोयला श्रमिक हैं भारत की जान।

उनके हौसलों को सलाम करें,
देश के विकास में उनका नाम भरें।

जय हो उन वीरों की, जिनसे रोशन है चमन,
हर कोयला श्रमिक को नमन, बस नमन!

– उत्तम कुमार झा
वरिष्ठ प्रयोगशाला प्राविधिक (पैथोलॉजी),
श्रमिक चिकित्सालय, तापिन, हजारीबाग

मम्मी तुम कब आओगी

आँख खुली जब तड़के तड़के, खिड़की से उज्यारा झाँक रहा था ।
हड़बड़ाकर उठी मैं बिस्तर से, घड़ी का काँटा पाँच बता रहा था ॥
उठकर दौड़ी मैं रसोई में, बेटी की थी टिफिन बनानी ।
जल्दी जल्दी रोटी सेककर, वापस आई फिर उसे उठाने ॥
कहा बेटी उठ जा स्कूल को जाना है,
मम्मी कहकर उसने मुझे गले लगाया
और मैंने उसे कपड़े जूते मोजे पहनकर बस स्टैंड पहुँचाया ॥

वापस आई जब उसे छोड़कर, अब दूजे की बारी थी ।
फिर से मैं बिस्तर पास खड़े, दूसरे को उठा रही थी ॥
उठा पूत जब छठी आवाज पर, तभी मैं यह समझ चुकी थी ।
आज न मुझको छोड़ेगा यह, कुटिल मुस्कान जो ओढ़ रखी थी ॥
नित नियम सब कर कुराकर, नास्ता जब उसे कराया ।
फिर से उसने गले लगाया ॥

ढाई साल बस अभी लगा है, ज्यादा बोल नहीं पता है ।
समझ रही थी उसके मन को फिर भी, तैयार होकर जब दरवाजे की ओर कदम बढ़ाया।
लिपटकर मेरे पैरों से बस, इतना ही वह कह पाया कि
"मम्मी तुम कब आओगी –2"
क्या बोलूं इस अल्हड़ मन से, बस बोल के चुप हो जाती हूँ ।
कि बच्चे तुम बस खेलो कूदो, "बस ऑफिस जाकर आती हूँ –2" ॥

पहुंच गयी ऑफिस जब मैं, शुरू हुआ फिर से काम ।
दिन भर मीटिंग और नोटिंग के बीच, नहीं था कुछ भी आराम ॥
मीटिंग खत्म हुई जब, बरबस याद आई उसकी बात कि
"मम्मी तुम कब आओगी–2"

जल्दी जल्दी फोन मिलाया, नानी ने उसकी फोन उठाया ।
कहा खाना खाकर वह सो चूका था, मम्मी मम्मी बोल रहा था ॥
मन मसोसकर रखा जब मैंने फोन,
फिर से किसी ने आवाज लगाई ।
दूसरी मीटिंग की बारी थी जो आई ॥

यह सब पूरा करते–करते सारा दिन अब बीत चला था ।
फिर से मेरी ममता जागी, मन अब बेचैन हो चला था ॥
सरपट मैंने गाड़ी दौड़ाई, पर कहाँ अभी यहाँ की ट्रैफिक से भी पाला पड़ना बाकि था ।
पों पों कि आवाज अलग थी और मेरा मन जाने दो न,
जाने दो न, शोर कर रहा था ॥

बहरहाल घर पहुंच कर घंटी को जब दो बार बजाई ।
खुला दरवाजा और दोनों बच्चों ने मेरी ओर दौड़ लगाई ॥
गले लगाकर देखा जब मैंने उसकी ओर,
आंखें बस यह बोल रही थी, कब से रस्ता देख रहा हूँ ।
दिन भर बस यह बोल रहा हूँ, कि "मम्मी तुम कब आओगी –2" ॥

– साक्षी रेनी होरो
प्रबंधक (सिविल), सीएसआर विभाग

राष्ट्रभाषा होने का स्वप्न और देश का दायित्व

आज हिन्दी देश की सबसे बड़ी संपर्क भाषा है। यह देश के दस राज्यों जिसे 'हिन्दी पट्टी' कहा जाता है के अतिरिक्त केरल से कश्मीर तक और अरुणाचल से गुजरात तक समान रूप से भले बोली न जाती हो पर समझी अवश्य जाती है। हिन्दी के इसी वैशिष्ट्य के कारण देश की आजादी के समय हमारे राष्ट्र–नेताओं ने चाहे वे किसी राज्य–प्रांत के हों – देश की संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी का न केवल समर्थन व उपयोग किया था वरन् राष्ट्रभाषा के रूप में प्रस्तुत भी किया था। राष्ट्रपिता गांधी, कवीन्द्र रवीन्द्र, लोकमान्य तिलक, स्वामी दयानंद सरस्वती, गोपालस्वामी अयंगार और पट्टाभि सीतारमैया जैसे राष्ट्रवादी नेताओं ने राष्ट्र की एकता के लिए न केवल हिन्दी की हिमायत की थी, बल्कि यह देश की राष्ट्रभाषा बने उसका स्वप्न भी देखा था। उल्लेख्य है कि पट्टाभि सीतारमैया दक्षिण भारतीय होते हुए भी राष्ट्र की समृद्धि और एकता हेतु हिन्दी को पूरे देश के लिए अनिवार्य मानते थे। उन्हें हिन्दी से इतना लगाव था कि वे दक्षिणी राज्यों में भी अपना पत्र–व्यवहार देवनागरी लिपि में लिखित हिन्दी में किया करते थे। यहाँ तक कि लिफाफे पर पता भी हिन्दी में ही लिखा करते थे। इससे दक्षिण भारत के डाकखानों में काम करनेवाले कर्मचारियों को काफी परेशानी होती थी। उन्होंने पट्टाभि सीतारमैया से अनुरोध किया और परोक्ष रूप से धमकी देते हुए कहा भी था कि कम से कम पत्रों पर पता अंग्रेजी में लिखा करें अन्यथा आपके पत्रों को कबाड़खाने में डाल दिया जायेगा। श्री रमैया ने उनकी धमकी की परवाह किये बिना पत्रों पर पता देवनागरी हिन्दी में लिखना जारी रखा। अंत में, डाकवालों को हार कर डाकखाने में हिन्दी जाननेवाले व्यक्ति को बहाल करना पड़ा और इस तरह वहाँ हिन्दी की पहली जीत हुई। इसी तरह का एक प्रसंग बंगाल का है। किसी समय स्वामी दयानंद सरस्वती जो संस्कृत–गुजराती आदि भाषाओं के आधिकारिक ज्ञाता थे। तत्कालीन कोलकाता की एक धर्म–सभा में संस्कृत में व्याख्यान दे रहे थे और उसका अनुवाद किसी अनुवादक के द्वारा हो रहा था। उस अनुवादक ने अनुवाद में थोड़ी गलती की तो किसी श्रोता ने उस गलती की ओर संकेत किया। स्वामी जी की उस धर्म–सभा में प्रसिद्ध समाज सेवी केशवचंद्र सेन भी थे। उन्होंने स्वामी जी से अनुरोध किया कि आप अपना व्याख्यान हिन्दी में दीजिए क्योंकि बंगाल में सभी हिन्दी समझते हैं। उस दिन से स्वामी जी ने जब भी उस धर्म–सभा में अपना व्याख्यान दिया, हिन्दी में ही दिया। ज्ञातव्य है कि यहाँ व्याख्यान देनेवाला गुजराती और सुननेवाला बंगाली था।

इस क्रम में राष्ट्रपिता गांधी भी स्मरणीय हैं। उन्हें हिन्दी से अगाध लगाव था। देश की राष्ट्रभाषा और राजभाषा हिन्दी हो, इसके लिए उन्होंने अथक प्रयत्न किया था। वे हिन्दी को किसी क्षेत्र विशेष की भाषा के रूप में न देखकर संपूर्ण देश की भाषा के रूप में देख रहे थे, जबकि वे स्वयं गुजराती भाषी थे। बैरिस्टर होने के कारण उन्हें अंग्रेजी का भी सम्यक ज्ञान था और प्रवाहपूर्ण अंग्रेजी बोलते थे। इसके बावजूद उनकी परिकल्पना थी कि स्वतंत्र भारत के निवासी हिन्दी के माध्यम से ही देश की भिन्न–भिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के साथ समन्वय कर सकेंगे। यही वह एकमात्र भाषा है जिससे बहुभाषी भारतीय आपसी संपर्क स्थापित कर सकेंगे। राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए हिन्दी से बढ़कर कोई दूसरी भाषा इस देश में अभी नहीं है, ऐसा उनका मानना था। हिन्दी को इस सांचे में ढालने का उनके पास कई कारण थे। यह नहीं कि हिन्दी भाषिक दृष्टि से श्रेष्ठ है या एकाधिक प्रांतों की भाषा है बल्कि यह कि शताब्दियों से देश के हर कोने में उसका थोड़ा बहुत प्रचलन था और उसमें देश की लगभग सभी बोलियों और भाषाओं के थोड़े–बहुत शब्द शामिल थे। उन्हें अच्छी तरह मालूम था कि इस देश के लोगों में, चाहे वह कोई भी भाषा–भाषी हो, उनमें एकात्म–भाव भरने का काम केवल हिन्दी ही कर सकती है, कोई अन्य भाषा या बोली नहीं। हिन्दी साहित्य सम्मेलन के इंदौर अधिवेशन के अवसर पर 20 अप्रैल सन् 1934 को इस संबंध में उन्होंने कहा था कि 'मैं हिन्दी भाषा पर इसलिए जोर देता हूँ कि मुझे लगता है कि राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के लिए भाषा के रूप में हिन्दी एक जबर्दस्त साधन है और जितना ही इसका आधार दृढ़ होगा हमारी राष्ट्रीय एकता उतनी ही मजबूत और प्रशस्त होगी।' वे इतना ही कहकर नहीं रुक गए बल्कि इसके आगे उन्होंने जोड़ दिया कि 'हिन्दुस्तान को अगर सचमुच एक राष्ट्र बनना है तो कोई माने या न माने राष्ट्रीय एकता की धुरी हिन्दी ही बन सकती है, इसकी कोई दूसरी मिसाल नहीं है। इसका अर्थ यह नहीं है कि वे इस देश की किसी दूसरी भाषा को उपेक्षा की दृष्टि से देखते थे। वे हिन्दी के साथ–साथ क्षेत्रीय बोलियों और भाषाओं का बड़ा आदर करते थे। उनका कहना था कि प्रांतीय भाषाएँ अपने पूरे अधिकार के साथ अपनी–अपनी भूमिकाओं का निर्वहन करते हुए हिन्दी के साथ तालमेल बिठाते हुए हिन्दी को सहयोग करेंगी। हिन्दी अपने हिन्दी–भाषी राज्यों में जिस भूमिका में रहेगी, लगभग वही भूमिका अहिन्दी क्षेत्रों में उस क्षेत्र विशेष की बोलियों और भाषाओं की होगी। वे इस बात के लिए दृढ़ थे कि हिन्दी सहित इस देश की प्रांतीय बोलियों को जबतक उनका योग्य स्थान और वाजिब हक नहीं मिल जाता, उनका भाषा का आंदोलन व संघर्ष जारी रहेगा। वे किसी भाषा विशेष के विरोधी नहीं थे, अंग्रेजी के भी नहीं। किंतु, हिन्दी या देशी भाषाओं की कीमत पर वे अंग्रेजी को स्वीकार करने के लिए किसी भी कीमत पर तैयार नहीं थे। इसीलिए आजादी की लड़ाई हो या भाषा का संघर्ष उन्होंने आँख मूँदकर हिन्दी का पक्ष लिया। अपने सहयोगियों, अनुयायियों और कांग्रेस के स्वयंसेवकों से आपसी बातचीत और संपर्क के लिए उन्होंने हिन्दी को चुना और उनकी भरसक कोशिश रही कि वे अपना भाषण हिन्दी में ही दें क्योंकि वे जानते थे कश्मीर हो या अरुणाचल, केरल हो या बंगाल असम हो महाराष्ट्र – वहाँ के अस्सी फीसदी से अधिक निवासी भले ही हिन्दी नहीं बोल पाते हों, पर समझते अवश्य हैं।

राष्ट्रपिता का स्वप्न था कि देश की शिक्षा के लिए देशी भाषाएँ माध्यम बनें। वे चाहते थे कि देश के छात्र–छात्राओं को देशी–भाषा और बोली में ही शिक्षा दी जाये। उन्होंने कहा था कि 'मैं अपने देश के छात्रों के लिए यह जरूरी नहीं समझता कि वे अपने बौद्धिक विकास के लिए किसी विदेशी भाषा के बोझ को अपने कंधों पर ढोएँ और अपनी उभरती हुई शक्तियों का ह्रास होने दें। मेरी मातृभाषा में कितनी ही खामियां क्यों न हों, मैं इससे उसी तरह चिपटा रहूँगा, जिस तरह बच्चा अपनी माँ की छाती से चिपटा रहता है। वही मुझे जीवनदायी दूध दे सकती है। अगर अंग्रेजी उस जगह को हड़पना चाहती है, तो मैं उससे सख्त नफरत करूँगा – वह कुछ लोगों के सीखने की चीज़ हो सकती है, लाखों–करोड़ों की नहीं। इसलिए वे अक्सर लोगों से कहा करते थे कि आज की तारीख में विदेशी भाषा से पिंड छुड़ाना हर देशभक्त भारतीय का कर्त्तव्य है, अन्यथा इतिहास हमें माफ नहीं करेगा। ये कुछ दृष्टांत है, जो गैरहिन्दी भाषियों के हैं। उल्लेख्य है कि पट्टाभि सीतारमैया दक्षिण भारत से सम्बद्ध थे तो केशवचंद्र सेन बंगाली थे। स्वामी दयानंद सरस्वती और राष्ट्रपिता गांधी भी हिन्दी पट्टी के नहीं, गुजरातीभाषी थे।

देश का दायित्व

यह एक तथ्य है कि 'एक राष्ट्र–एक भाषा' के लिए आम आदमी की भाषा के रूप में हिन्दी को स्थापित होना नितांत जरुरी है। देश के दक्षिणी भाग में तमिलनाडू, केरल, आंध्र, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्य हैं, जो भाषा और संस्कृति की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध हैं। इन राज्यों में तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम जैसी समृद्ध भाषाएँ हैं जो अत्यंत प्राचीन और साहित्यिक समृद्धि से पूर्ण हैं। इसी तरह पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में बंगला, उड़िया, असमी, मिजो, नागा, मणिपुरी और अरुणाचली है तो पश्चिम में मराठी, कोंकणी और गुजराती आदि अपनी सांस्कृतिक और साहित्यिक समृद्धि के लिए ख्यात हैं। भारत की कोई भी भाषा या बोली हो, उसकी अपनी विशिष्ट संस्कृति, गरिमा और पहचान है। यहाँ तक कि हिन्दीपट्टी में अवधी, ब्रज, मगही, मैथिली, भोजपुरी, छत्तीसगढ़ी सहित सैकड़ों स्थानीय और जनजातीय बोलियाँ हैं, जो अपनी समृद्धि में किसी से कमतर नहीं हैं। ये बोलियाँ जिन क्षेत्रों में प्रचलित हैं, वे उस क्षेत्र–विशेष की अस्मिता की पहचान हैं। किंतु, इन सभी के बीच हिन्दी आज एक सेतु की तरह है, जो दो भिन्न भाषा–भाषियों के बीच मजबूत एकता की कड़ी के रूप में कार्य कर रही है। इसका कारण यह है कि उसने उन बोलियों के शब्दों को भारी मात्रा में अंगीकार किया है। कई ऐसे शब्द हैं, जिन्हें छिनगाना अब मुश्किल है कि वह किस बोली से गृहीत है। इसी तरह अहिन्दी प्रदेशों की बोलियों में बंगला, उड़िया, असमी, गुजराती, मराठी, पंजाबी, सिंधी सहित तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम जैसी भाषाओं ने हिन्दी के हजारों शब्दों को गृहीत किया है और अपने शब्द–भंडारों में यथोचित वृद्धि कर ली है। अनेकानेक चुनौतियों का सामना करते हुए हिन्दी अपनी सहयोगी बोलियों से मिलकर अब इतनी प्रगति कर चुकी है कि वह भारत ही नहीं उससे आगे विश्व–संवाद की भाषा बनने के साथ ही विश्व–मंच पर आरूढ़ होने के लिए तैयार है। राष्ट्रभाषा से प्रेम करनेवालों का यदि सार्थक प्रयास रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हिन्दी संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा होगी। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इसके लिए सार्थक पहल की थी और हिन्दी का स्वर संयुक्त राष्ट्र संघ में गूँजा था। अभी कुछ दिनों पूर्व वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने ओजस्वी स्वर में संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी में अपना वक्तव्य दिया, जिसकी भूरी–भूरी प्रशंसा पूरे देश सहित विदेशों में भी हुई। इस तरह हिन्दी के दस्तक की अनुगूँज न केवल संपूर्ण भारत में वरन् पृथ्वी के कोने–कोने में सुनाई पड़ने लगी है। अहिन्दी भाषियों के साथ–साथ देश से बाहर हिन्दी में होनेवाले संवाद न केवल हिन्दी को व्यापक बनाते हैं अपितु यह सिद्ध भी करते हैं कि हिन्दी देश की एकरूपता का प्रतीक है। यह हमारा दायित्व है कि हम इसे राष्ट्रभाषा, राजभाषा के साथ–साथ विश्वभाषा बनाने में सहायक बनें।

सीसीएल का सीएसआर

कोयले की धरती से उठ रही है आस,
सीसीएल ने कराया विकास का अहसास।
हर गाँव में जगाई नई एक रौशनी,
शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य से भर दी जिंदगी।

प्यासे खेतों को दी पानी की धार,
हर बूँद से खिली हरियाली बहार।
आधारभूत ढाँचे को दी नई उड़ान,
गाँवों को मिल रही नई पहचान।

स्वास्थ्य की सेवा घर–घर पहुँचाए,
हर दिल से दर्द का रिश्ता मिटाए।
खेल के मैदान में दौड़ें अरमान,
जीत की लहर, बन जाए पहचान।

पर्यावरण का ध्यान, पेड़–पौधों से प्यार,
हर सांस में ताजगी, हर दिल में बहार।
हरियाली की चादर ओढ़े ये जहाँ,
सीसीएल सीएसआर ने सजाया ये समां।

ग्रामीण विकास का करेंगे सपना साकार,
सीएसआर से बदलेंगे हर एक द्वार।
श्रम और सेवा का एक सुंदर मेल,
सीएसआर गतिविधियों से अमर रहेगा सीसीएल।

– आशीष झा,
सहायक प्रबंधक (सी.डी.), रजरप्पा क्षेत्र

मेरी सेवानिवृत्ति

कार्यस्थल में गुजरा हर लम्हा, था जैसे सदियों सा कीमती,
मगर, अब हैं बस यादें उनकी, जैसे पिघली सी इक मोमबत्ती।
व्यस्तता में खोए, हुआ न एहसास जरा भी,
जाने कब आ गई, मेरी सेवानिवृत्ति ।।1।।

कभी कार्यभार, कभी आराम, कभी तूतू–मैंमैं तो कभी प्रेमा रिती,
कहीं भी परिवार से भिन्न न थी, कार्यालय की आकृति।
देखें जिन संग सारे मौसम, किए महसूस सहत्रो हर्षोगम,
उनसे बिछड़ने की थी घड़ी, कमबख्त ये मेरी सेवानिवृति।।2।।

अपनों की जरूरतों में, रही ये उम्र गुजरती,
उनकी ख्वाहिसों में बीती नौकरी मेरी, दौड़ती–भागती।
थीं कहीं अर्धांगिनी की इच्छाएँ, तो कही बच्चों की चाहत थी,
सारी फरमाइशें पूरी करते करते, आ पहुँची मेरी सेवानिवृत्ति।।3।।

चाह तो मुझे भी थी, करूँ जीवन में ऐश–आराम और मौज–मस्ती,
मगर जनाब, हटा पीढ़ियों की गरीबी,
परिपूर्ण घर बनाने की जिम्मेवारी भी तो थी।
परिवार की सुख–सुविधा, सुरक्षा की चाह,
खुद के सुख को सदा रही दबाती,
स्वयं को दे भी न पाया वक्त और आ गई मेरी सेवानिवृत्ति ।।4।।

बीत गई उम्र देते–देते, घर–परिवार, बच्चों को सुखी–संपूर्ण स्थिति,
अब सोचता हूँ, क्या निभा पाएगी ये अग्र पीढ़ी, जिम्मेदारी मेरे प्रति।
यूँ तो हो गई कार्यस्थल के कार्यों की समाप्ति,
लेकिन कभी ले ना पाऊंगा गृहस्थ जीवन से मेरी सेवानिवृत्ति।।5।।

– प्रमोद कुमार
लिपिक, ग्रेड–सी, विधि विभाग

राष्ट्रीय एकीकरण में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की भूमिका

प्रथम पुरस्कार : हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता (हिंदीत्तर भाषी वर्ग)

भारत एक विविधताओं से भरा देश है, जहाँ अनेक सभ्यताएँ, संस्कृतियाँ, वेशभूषाएँ और भाषाएँ सह–अस्तित्व में हैं। इतनी विविधता के बावजूद भारत एक अखंड राष्ट्र के रूप में स्थापित है, और इस एकता में हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। राष्ट्रीय एकीकरण में भाषाओं के योगदान को समझने के लिए भारत के परतंत्रता काल के इतिहास का अवलोकन करना आवश्यक है।

प्राचीन काल से भारतवर्ष विभिन्न आक्रांताओं के आक्रमणों और विदेशी शासन के अधीन रहा है। फलस्वरूप, समूचा देश अनेक छोटे–छोटे रियासतों और प्रांतों में विभाजित हो गया था। विदेशी सभ्यता–संस्कृति और भाषाओं का प्रभाव इतना गहरा था कि भारत की अपनी सांस्कृतिक एकता धीरे–धीरे बिखरने लगी थी। प्रांतों में क्षेत्रीय भाषाएँ, वेशभूषा और संस्कृति प्रमुख हो गईं, जिससे एक व्यापक राष्ट्रीय चेतना का अभाव उत्पन्न हो गया। अंग्रेजों ने इस विभाजन का लाभ उठाते हुए "फूट डालो और शासन करो" की नीति अपनाई और भारत पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया।

प्रत्येक प्रांत की अपनी भाषा एवं संस्कृति होने के कारण विभिन्न प्रदेशों के लोग एक–दूसरे से संवाद स्थापित करने में असमर्थ थे। इस संकीर्ण प्रांतीयता ने भारतीय समाज में गहरे तक जड़ें जमा ली थीं और राष्ट्र को एकजुट करना एक कठिन कार्य बन गया था। किंतु जब स्वतंत्रता संग्राम का दीप प्रज्वलित हुआ, तब धीरे–धीरे सभी प्रांतों के लोग प्रांतीय सीमाओं को लांघकर राष्ट्रीय एकता की ओर बढ़ने लगे। इस एकता को स्थापित करने में हिंदी भाषा ने सेतु का कार्य किया।

स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूतों – महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक, सुभाषचंद्र बोस और अन्य नेताओं ने भलीभांति समझ लिया था कि यदि पूरे देश को एक आंदोलन से जोड़ना है, तो एक ऐसी भाषा की आवश्यकता है जो सहज, सुगम और सर्वग्राह्य हो। हिंदी इसी आवश्यकता की पूर्ति करने वाली भाषा बनी। हिंदी ने न केवल संचार का माध्यम बनकर लोगों को जोड़ा, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना का भी निर्माण किया। हिंदी ने अमीर–गरीब, जाति–धर्म, क्षेत्र–भाषा के भेदभाव को समाप्त कर स्वतंत्रता संग्राम में जन–जन को भागीदार बनाया।

यद्यपि हिंदी की भूमिका केंद्रीय रही, परंतु अन्य भारतीय भाषाओं का योगदान भी कम नहीं रहा। हिंदी भाषा का लिपि देवनागरी है, जो कई अन्य भारतीय भाषाओं की भी लिपि है। संस्कृत से उद्भूत हिंदी, मराठी, गुजराती और बंगला जैसी भाषाओं ने भी हिंदी से घनिष्ठ संबंध बनाए रखा। हिंदी ने विभिन्न भाषाओं के शब्दों को आत्मसात करते हुए एक समन्वित स्वरूप ग्रहण किया, जिससे अन्य भाषा–भाषी भी हिंदी को आसानी से समझ और अपना सके।

हिंदी भाषा की सरलता, सहजता और व्यापकता ने इसे जनसंचार का सशक्त माध्यम बनाया। स्वतंत्रता संग्राम के समय हिंदी में लिखे गए गीतों, नारों, लेखों और भाषणों ने जनमानस को आंदोलित किया। हिंदी ने स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे विभिन्न प्रदेशों के लोगों को एक साझा मंच प्रदान किया। इस प्रकार हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं ने मिलकर राष्ट्रीय एकता की नींव को मजबूत किया।

आजादी के बाद भी, हिंदी ने राष्ट्र को एकता के सूत्र में बाँधे रखने में महती भूमिका निभाई। संविधान निर्माताओं ने हिंदी को भारत की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया, जिससे पूरे देश में एक सामान्य संपर्क भाषा विकसित हो सके। साथ ही, संविधान ने अन्य भारतीय भाषाओं को भी समान सम्मान देते हुए "अष्टम अनुसूची" में स्थान दिया, जिससे भाषाई विविधता को संरक्षित करते हुए राष्ट्रीय एकता को बल मिला।

आज, स्वतंत्रता प्राप्ति के इतने वर्षों बाद भी भारत विविधताओं के बावजूद एक सशक्त, अखंड और प्रगतिशील राष्ट्र बना हुआ है। इसका श्रेय उस भाषाई समन्वय को जाता है जिसमें हिंदी ने केंद्रीय भूमिका निभाई है। हिंदी ने विविधता के बीच एकता की भावना को बनाए रखने में अहम योगदान दिया है।

वैश्वीकरण के इस युग में, हिंदी का प्रभाव केवल भारत तक सीमित नहीं रहा है। आज हिंदी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गई है। विश्व के विभिन्न देशों में हिंदी शिक्षण संस्थान, हिंदी सम्मेलन, साहित्यिक गतिविधियाँ और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हिंदी ने भारतीय संस्कृति, साहित्य और मूल्यों को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिलाई है।

भारत सरकार द्वारा विभिन्न विकास योजनाओं और अभियानों का प्रचार–प्रसार भी हिंदी एवं प्रादेशिक भाषाओं के माध्यम से किया जाता है। सरकारी योजनाओं, जागरूकता अभियानों, विज्ञापनों, टेलीविजन कार्यक्रमों तथा समाचार पत्रों में हिंदी के माध्यम से देश के कोने–कोने तक संचार स्थापित किया जा रहा है। इससे न केवल राष्ट्रीय विकास में जनभागीदारी बढ़ी है, बल्कि राष्ट्रीय एकता भी और अधिक मजबूत हुई है।

आज शिक्षित युवा अपने–अपने प्रदेशों से बाहर निकलकर अन्य प्रांतों में व्यवसाय, शिक्षा और रोजगार के अवसरों की तलाश में प्रवास कर रहे हैं। इस प्रवास में हिंदी एक साझा संवाद माध्यम बनकर उभरती है। हिंदी के माध्यम से विभिन्न प्रांतों के लोग एक–दूसरे से जुड़ते हैं, संबंध स्थापित करते हैं और एक–दूसरे की संस्कृति, भाषा और परंपराओं को अपनाते हैं। इस आपसी मेलजोल से राष्ट्रीय एकता को नई ऊर्जा मिलती है।

इतना ही नहीं, आज अंतर–प्रांतीय और अंतर–सांस्कृतिक विवाह भी बढ़ रहे हैं, जिससे विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों और भावनाओं का संगम संभव हो रहा है। इन संबंधों की नींव में संवाद की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हिंदी निभाती है। हिंदी एक ऐसा सेतु बनती है, जो विभिन्नता में एकता का संदेश देती है।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि हिंदी मात्र एक भाषा नहीं, अपितु राष्ट्र की जीवनधारा है। हिंदी भारत के रग–रग में प्रवाहित होकर संपूर्ण राष्ट्र को एकता के सूत्र में बाँधती है। हिंदी एक ऐसा संपर्क सूत्र है, जो विविधताओं के बीच सामंजस्य स्थापित कर भारत को विकास और प्रगति के पथ पर अग्रसर कर रही है।

निष्कर्षतः, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएँ मिलकर भारत को एकजुट रखने वाली वह अदृश्य शक्ति हैं, जिनके बल पर भारत विविधताओं के बीच अपनी एकता, अखंडता और सांस्कृतिक समृद्धि को अक्षुण्ण बनाए हुए है। हिंदी न केवल हमारी मातृभाषा है, अपितु हमारी अस्मिता, हमारी पहचान और हमारे राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक भी है। हमें इस धरोहर का सम्मान करना चाहिए और इसके प्रचार–प्रसार के लिए सतत् प्रयासरत रहना चाहिए।

– सुबीर कुमार दास
वरीय डीईओ, श्रम शक्ति विभाग, सीसीएल

भारत 2047 : चुनौतियाँ और समाधान

प्रथम पुरस्कार : हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता (हिंदीभाषी वर्ग)

भारत, जिसे अपनी विविधता, संस्कृति और लोकतांत्रिक परंपराओं पर गर्व है, आज एक नए युग के मुहाने पर खड़ा है। स्वतंत्रता के 77 वर्षों में हमने कृषि, उद्योग, विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा, शिक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। आज भारत दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। स्टार्टअप्स, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया जैसे अभियानों ने दुनिया भर में भारत की नई छवि बनाई है।

लेकिन भारत को 2047 तक एक सशक्त, समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनाना है, जहाँ हर नागरिक को समान अवसर, सुरक्षित जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सम्मान मिले। इस लक्ष्य की प्राप्ति में अनेक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियाँ हमारे सामने खड़ी हैं। इन चुनौतियों का सामना करना और उनका समाधान खोजना ही हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

भारत के सामने सबसे गंभीर समस्या जनसंख्या वृद्धि है। एक अनुमान के अनुसार, भारत 2025 तक विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। अधिक जनसंख्या का सीधा प्रभाव रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों पर पड़ता है। बढ़ती आबादी के कारण आवास, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं पर भारी दबाव है। जनसंख्या नियंत्रण के लिए केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षा और जनजागरण के माध्यम से लोगों में जिम्मेदारी का बोध कराना आवश्यक है। महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से भी इस दिशा में सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार भी अत्यंत आवश्यक है। आज भी भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की पहुँच सीमित है और शहरों में शिक्षा का खर्च सामान्य नागरिकों की पहुँच से बाहर होता जा रहा है। उच्च शिक्षा में सीटों की सीमित संख्या और उच्च शुल्क के कारण लाखों छात्र विदेशों में पढ़ने को मजबूर होते हैं। इससे "ब्रेन ड्रेन" की समस्या भी गहराती है। हमें शिक्षा को व्यावसायिक बनाने की बजाय सेवा का माध्यम बनाना होगा। प्रत्येक गाँव और कस्बे में गुणवत्तापूर्ण स्कूल और डिजिटल शिक्षा का प्रसार करना होगा। उच्च शिक्षा को अनुसंधान आधारित बनाना चाहिए ताकि भारत विज्ञान, तकनीक और नवाचार में अग्रणी बन सके।

बेरोजगारी भी भारत के लिए एक गहरी चिंता का विषय है। हर साल लाखों युवा शिक्षित होकर स्नातक बनते हैं लेकिन उन्हें उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार नहीं मिल पाता। सरकारी नौकरियों की सीमित संख्या और निजी क्षेत्र में अस्थिर रोजगार की स्थिति ने युवाओं में असंतोष बढ़ाया है। सरकार को स्वरोजगार, स्टार्टअप्स और छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देकर रोजगार के नए अवसर पैदा करने चाहिए। साथ ही, कौशल विकास कार्यक्रमों का दायरा बढ़ाकर युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना होगा। कृषि क्षेत्र में भी आधुनिक तकनीक का उपयोग कर कृषि आधारित उद्योगों का विस्तार किया जा सकता है।

धर्म और जाति के नाम पर बढ़ती कट्टरता और भेदभाव ने सामाजिक समरसता को चुनौती दी है। आज भी विभिन्न क्षेत्रों में जातिगत आरक्षण, धर्म आधारित मतभेद और क्षेत्रीय अस्मिता की राजनीति देखने को मिलती है। अगर भारत को एक अखंड और शक्तिशाली राष्ट्र बनाना है तो नागरिकों के बीच समानता, बंधुत्व और सहिष्णुता की भावना को बढ़ावा देना होगा। शिक्षा, मीडिया और सामाजिक अभियानों के माध्यम से हमें यह संदेश फैलाना होगा कि धर्म और जाति से ऊपर इंसानियत है, और विकास के लिए सामाजिक एकता अनिवार्य है।

राजनीतिक परिप्रेक्ष्य से भी सुधार की आवश्यकता है। वर्तमान राजनीति में वोट बैंक, भ्रष्टाचार और अल्पदृष्टिता के उदाहरण आम हो गए हैं। लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए यह आवश्यक है कि राजनीति में नैतिकता, पारदर्शिता और दीर्घकालिक सोच का समावेश हो। युवा, शिक्षित और दूरदर्शी नेतृत्व को प्रोत्साहित करना चाहिए, जो न केवल सत्ता के लिए, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए राजनीति में आएँ। मतदाताओं को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और जाति–धर्म के आधार पर वोट देने के बजाय योग्यता और चरित्र के आधार पर प्रतिनिधियों का चुनाव करना होगा।

महिला सशक्तिकरण और समानाधिकार भी अत्यंत आवश्यक हैं। आज भी भारत में लैंगिक असमानता एक बड़ी चुनौती है। कार्यस्थलों पर भेदभाव, घरेलू हिंसा, बाल विवाह जैसी समस्याएँ अब भी मौजूद हैं। अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है तो महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और राजनीति में समान भागीदारी देनी होगी। बेटियों को जन्म से ही बराबरी का अधिकार मिलना चाहिए और समाज को यह समझना होगा कि नारी सशक्तिकरण केवल महिलाओं का विषय नहीं, बल्कि समूचे राष्ट्र की प्रगति से जुड़ा मुद्दा है।

कानून व्यवस्था का सशक्त होना भी विकास की एक अनिवार्य शर्त है। जब नागरिक अपने जीवन और संपत्ति की सुरक्षा महसूस करते हैं तभी वे स्वतंत्रता और विकास के कार्यों में भाग ले सकते हैं। भारत में न्याय व्यवस्था की धीमी प्रक्रिया, बढ़ती अपराध दर और भ्रष्टाचार जैसी समस्याएँ कानून व्यवस्था की कमजोरी को उजागर करती हैं। हमें न्यायिक सुधारों की आवश्यकता है, जिसमें त्वरित न्याय, पुलिस सुधार, और कानूनी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता को बढ़ावा दिया जाए। सख्त कानूनों के साथ–साथ उनके निष्पक्ष और समयबद्ध क्रियान्वयन की भी आवश्यकता है।

पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों का सतत विकास भी हमारे भविष्य की नींव हैं। आज ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और प्रदूषण जैसी समस्याएँ हमारे अस्तित्व के लिए खतरा बन गई हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश को पर्यावरण संरक्षण में वैश्विक नेतृत्व निभाना चाहिए। जल संरक्षण, वृक्षारोपण, हरित ऊर्जा का प्रसार, और टिकाऊ विकास के सिद्धांतों को अपनाकर ही हम भावी पीढ़ियों को एक सुरक्षित और समृद्ध पर्यावरण दे सकते हैं।

भारत 2047 का सपना तभी साकार होगा जब हम आज इन चुनौतियों का डटकर सामना करें और ठोस समाधान अपनाएँ। जनसंख्या नियंत्रण, शिक्षा सुधार, रोजगार सृजन, सामाजिक समरसता, राजनीतिक शुद्धता, लैंगिक समानता, मजबूत कानून व्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण – ये सभी पहलू मिलकर एक नए भारत की नींव रखेंगे। हमें याद रखना होगा कि देश का भविष्य केवल सरकार की नीतियों से नहीं, बल्कि हर नागरिक के जागरूक और जिम्मेदार प्रयास से बनता है।

यदि हम आज ही संकल्प लें कि हम व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर अपने कर्तव्यों का निर्वाह करेंगे, तो निस्संदेह 2047 का भारत एक शक्तिशाली, समृद्ध और सम्मानित राष्ट्र बनकर विश्व पटल पर खड़ा होगा।

जय हिंद! जय भारत!

– मो. नजीर अंसारी
जू. डाटा. इंट्री ऑपरेटर, वि. एवं यां. विभाग, सीसीएल, मुख्यालय

हम हैं कोल इंडिया, हम हैं इस देश की शान

धरती की हरित गोद में सृजित काले हीरे को निकालकर,
संभालकर तराशते हम उसे, देते है एक नायाब पहचान
हम है कोल इंडिया, हम है इस देश की शान।

श्रद्धा–लगन की करछी से, अपने मेहनत–मजदूरी की खुरपी से
उत्खनित करते हम न जाने कितने ही खान
हम है कोल इंडिया, हम है इस देश की शान।

जग में उजाला फैलाने को, प्रकाश से अन्धकार मिटाने को
सहर्ष देते हम अपनी रात की नींदों का बलिदान
हम है कोल इंडिया, हम है इस देश की शान।

सुख–चैन सब त्याग कर, खदानों में दिन गुजारकर
मोती खुशियों के बिखराते, लाते हर चेहरे पर मुस्कान
हम है कोल इंडिया, हम है इस देश की शान।

दूर अटूट नाते बंधन से, खून पसीने की ईंधन से
करते प्रकाशित हम असंख्य ग्राम–नगर, घर–मकान
हम है कोल इंडिया, हम है इस देश की शान।

अटल पहाड़ों को देते तोड़, देते अचल चट्टानों को फोड़
असंभव नहीं कुछ भी, हम ले जब कुछ ठान लगा दें अपने जान
हम है कोल इंडिया, हम है इस देश की शान।

दुर्गम स्थलों में राह बनाते हैं, विघ्नों को गले लगाते हैं
भूमिगत अंधियारों से लड़ते–जूझते,
सहते हैं हम धूप–घाम सब सीना तान
हम है कोल इंडिया, हम है इस देश की शान।

रोजगार का लगता मेला, सुख–समृद्धि की खिलती बेला
अगणित आकांक्षी कार्मिकों के स्वर्णिम भविष्य का होता निर्माण
हम है कोल इंडिया, हम है इस देश की शान।

कोयला प्राप्ति के युद्ध में, होना पड़ता है प्रकृति के विरुद्ध में
उत्खनित भूमि पर फिर से उपजाते नए पेड़, पौधे और उद्यान
हम है कोल इंडिया, हम है इस देश की शान।

समाज की सूरत बदलने को, सर्वस्व विकास के पथ पर चलने को
खेल–कूद, शिक्षा–स्वास्थ्य के आधार–स्तंभ पर
जनहित में देते योगदान
हम है कोल इंडिया, हम है इस देश की शान।

हम से रौशन हर त्यौहार, जगमग होता घर परिवार
हम कोयले के हैं किसान, हम ऊर्जा के हैं जवान
हम है कोल इंडिया, हम है इस देश की शान।

भारत की प्रगति में, राष्ट्र की उन्नति में
अहम भूमिका निभाते हैं, गर्व से इतराते हैं
विश्वपटल पर दिलाते हैं आदर, मान–सम्मान और
फिर एक ही सुर में गाते हैं
हम है कोल इंडिया, हम है इस देश की आन, बान और शान।

– उज्ज्वल पाठक,
सहायक प्रबंधक (खनन), अरगड़ा क्षेत्र, सीसीएल

सीसीएल की सुरक्षा संबंधी मुख्य बातें

सीसीएल ने परिचालन के सभी स्तरों पर सुरक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को कायम रखा है। 2024–25 में, सीसीएल ने खदान सुरक्षा और लचीलेपन (resilience) को मजबूत करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक, लक्षित प्रशिक्षण और एक सक्रिय कार्यबल को एकीकृत करते हुए "शून्य हानि" के अपने लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

गतिशील सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली

सीसीएल में सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली एक सक्रिय और अनुकुल ढांचे के रूप में विकसित हुई है, जो खतरों की निरंतर पहचान, आकलन और शमन पर ध्यान केंद्रित करती है। प्रमुख घटकों में शामिल हैं:

- सुरक्षा प्रबंधन योजनाएँ (SMP) जिसमें मुख्य जोखिम प्रबंधन योजनाएँ (PHMP) शामिल हैं।
- मानक संचालन प्रक्रियाएँ (SOP)/आचरण संहिताएँ (COP), स्थायी आदेश, तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया और निकासी योजना (EREP) के माध्यम से आवधिक मॉक ड्रिल।
- सभी 38 खदानों में एसएचएमएस (सुरक्षा एवं स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली)–प्रशिक्षित अधिकारियों द्वारा सुरक्षा ऑडिट किए गए, तथा कोयला मंत्रालय के राष्ट्रीय कोयला खान सुरक्षा पोर्टल पर कार्रवाई रिपोर्ट (ATR) अपलोड की गई।
- वरिष्ठ नेतृत्व आवधिक समीक्षाओं तथा स्थल निरीक्षणों के माध्यम से सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है, जिससे सुरक्षा की शीर्ष–स्तरीय संस्कृति को मजबूती मिलती है।
- ICAM (Incident cause and Analysis Method) – आधारित मूल कारण विश्लेषण के माध्यम से, प्रत्येक घटना के बाद सुधारात्मक उपायों को तुरंत लागू किया जाता है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि सुरक्षा संबंधी सीख परिचालन में अंतर्निहित हो तथा, प्रत्येक घटना को सबक के रूप में लेते हुए जोखिम न्यूनीकरण के लिए सक्रिय दृष्टिकोण को मजबूत करती है।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

सीसीएल मानता है कि सुरक्षा लोगों से शुरू होती है। 2024–25 में, विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से रिकॉर्ड संख्या में कर्मचारियों और अनुबंध श्रमिकों को प्रशिक्षित किया गया:

- 7,000 से अधिक विभागीय और संविदा कर्मियों को बुनियादी, पुनश्चर्या (Refresher) और विशेष प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।
- 164 HEMM ऑपरेटरों को उन्नत बहुआयामी सिमुलेटर का उपयोग करते हुए प्रशिक्षित किया गया।
- NPTI नेयवेली और IIT(ISM), धनबाद में 43 इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों को विद्युत सुरक्षा में प्रशिक्षित किया गया।
- 113 कर्मचारियों को डिजिटल मैनीक्वींस का उपयोग करके CPR में प्रशिक्षित किया गया।
- 90 इलेक्ट्रिकल कर्मियों को प्राथमिक चिकित्सा और अग्निशमन में प्रशिक्षित किया गया।
- IIT(ISM), धनबाद में SHMS ऑडिटिंग में 19 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।
- फ्रंटलाइन पर्यवेक्षकों सहित 74 अधिकारियों को मूल उपकरण निर्माताओं (OEM) द्वारा आयोजित 2024–25 में HEMM सुरक्षा पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

डीजीएमएस और ज्ञानक्षेत्र विशेषज्ञों द्वारा आयोजित कई कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षण को और समृद्ध किया गया। भविष्य को देखते हुए, संवर्धित वास्तविकता (ए आर) और आभासी वास्तविकता (वी आर) आधारित इमर्सिव सुरक्षा प्रशिक्षण मॉड्यूल पेश किए जा रहे हैं।

सुरक्षित खदानों के लिए स्मार्ट प्रौद्योगिकी

सीसीएल सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी और स्वचालन तकनीकी के प्रयोग में अग्रणी है। कुछ प्रमुख पहलों में शामिल हैं:

- एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्र (ICCC), AI एनालिटिक्स, CCTV, GPS, RFID और ड्रोन निगरानी से सुसज्जित है।
- HEMM में निकटता चेतावनी यंत्र (Proximity Warning Device), 360° कैमरे और टकराव रोधी (Anti-Collision) उपकरण लगाए गए हैं।
- 20.01.2025 को निरंतर गैस निगरानी के लिए चूरी UG खदान में ETMS (पर्यावरण टेली–मॉनीटरिंग सिस्टम) लगाया गया
- 04.01.2025 को चूरी UG खदान में मानव–सवारी के लिए फ्री स्टीयरिंग व्हीकल (FSV) का परिचालन शुरू किया गया।
- AI–सक्षम अग्नि पहचान और स्वचालित दमन प्रणाली कार्यान्वयन हेतु प्रक्रियारत है।
- सुरक्षा और सुरक्षा निरीक्षण दोनों के लिए ड्रोन–आधारित निगरानी कार्यान्वयन प्रक्रियारत है।
- सुरक्षित उत्खनन के लिए रिपर माइनर और हाईवॉल माइनिंग तकनीक अपनाई गई।
- फर्स्ट–माइल कनेक्टिविटी (FMC) परियोजनाओं की शुरुआत की गई है, यह कवर्ड कन्वेयर बेल्ट, रैपिड लोडिंग सिस्टम और साइलो के माध्यम से कोयले के सड़क परिवहन को समाप्त करती है, यह धूल प्रदूषण को कम करते हुए तथा भारी वाहनों की आवाजाही से जुड़े जोखिमों को कम करके सुरक्षा को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहा है।
- सरफेस माइनर और कंटिन्युस माइनर के जरिए विस्फोट–मुक्त कोयला निष्कर्षण को सक्षम किया जा रहा है जो सुरक्षित खनन कार्यों को और अधिक प्रभावी बना रहा है।

For the first time in India, a 14-day mine rescue training for NDRF personnel was successfully organised from 06.01.2025 to 21.01.2025 at Mine Rescue Station, Ramgarh, equipping them with skills to handle underground mining disasters

मानव संसाधन विकास विभाग : कौशल विकास से लेकर डिजिटल परिवर्तन तक

कौशल, करियर और तकनीक – हर दिशा में सशक्तिकरण की नई उड़ान

सीसीएल के मानव संसाधन विकास विभाग (HRD) ने वित्तीय वर्ष 2024–25 में अपनी सक्रिय पहलों और नवाचारों से न केवल संगठन के भीतर क्षमता निर्माण को नई दिशा दी है, बल्कि युवाओं और कर्मचारियों को भी भविष्य के लिए तैयार किया है। प्रशिक्षण से लेकर डिजिटल अपस्किलिंग और नेतृत्व विकास तक, हर पहल एक सशक्त, जागरूक और आधुनिक कार्यबल की नींव रखती है।

प्रशिक्षण में नई ऊँचाइयाँ : कुशल कर्मचारी, सशक्त संगठन

HRD विभाग ने इस वर्ष 71 प्रशिक्षण एवं क्षमतावर्द्धन कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें 2422 कर्मचारियों ने भाग लिया। इसके अलावा, 610 अधिकारियों को IICM, राँची में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के लिए भेजा गया, जबकि 660 अधिकारियों ने देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में आयोजित 116 बाहरी कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने कौशल को निखारा।

युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

सीसीएल ने 1180 युवाओं को Apprentices Act, 1961 के अंतर्गत अप्रेंटिसशिप में शामिल किया। इसके साथ ही, पीएम इंटर्नशीप स्कीम (PMIS) के तहत 1917 कॉलेज छात्रों को इंटर्नशिप का अवसर दिया गया – इनमें सीसीएल कर्मचारियों के बच्चे और अन्य संस्थानों के विद्यार्थी शामिल रहे। यह पहल युवाओं को व्यावहारिक अनुभव देकर उन्हें करियर के लिए तैयार करती है।

डिजिटल युग की ओर कदम : मिशन कर्मयोगी और Future Skills

डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में सीसीएल ने Mission Karmayogi के तहत iGOT प्लेटफॉर्म पर शानदार प्रदर्शन किया – अब तक 1900 से अधिक अधिकारियों और 500 गैर– अधिकारियों ने डिजिटल कोर्स पूरे कर लिए हैं। वहीं, NASSCOM और MeiTY के सहयोग से शुरू हुए FutureSkills Prime प्लेटफॉर्म पर 1897 अधिकारियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 200 से अधिक ने प्रशिक्षण की शुरुआत भी कर दी है।

लीडरशिप डेवलपमेंट का नया अध्याय : IIM संबलपुर में चयन

सीसीएल के 5 कार्यपालकों का चयन IIM संभलपुर के प्रतिष्ठित Executive Post Graduate Program (PGPEÛ) में हुआ है, जो लॉजिस्टिक्स और डिजिटल ऑपरेशन्स मैनेजमेंट पर केंद्रित है। यह एक वर्षीय कार्यक्रम भावी नेताओं को तकनीकी दक्षता और रणनीतिक सोच से लैस करेगा।

सीसीएल का HRD विभाग केवल प्रशिक्षण आयोजित करने तक सीमित नहीं है – यह संगठन की रीढ़ है, जो कार्यबल को ज्ञान, तकनीक और नेतृत्व की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2024–25 की उपलब्धियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि सीसीएल अपने हर कर्मचारी और हर युवा को भविष्य के लिए तैयार करने में महती भूमिका निभा रहा।

सीसीएल के मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा आयोजित कम्प्यूटर प्रशिक्षण में उपस्थित प्रतिभागीगण

सीसीएल के मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का एक दृश्य

CCL
Fuelling Sustainable Growth

समर्पित सेवा की मिसाल : सीसीएल की सीएसआर पहलें बदल रहीं हैं जिंदगियाँ

पूर्वी भारत स्थित झारखंड अपनी सुंदर पर्वत श्रृंखलाओं, घने जंगलों और शानदार झरनों के लिए प्रसिद्ध है। अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ–साथ, यह राज्य खनिज संसाधनों, विशेष रूप से कोयले के लिए भी जाना जाता है। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल), जो कोल इंडिया लिमिटेड की एक मिनी–रत्न सहायक कंपनी है, झारखंड की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनियों में से एक है। साथ ही राज्य के राजस्व में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से भी एक है। राष्ट्र की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ–साथ, सीसीएल अपने क्षेत्रीय समुदायों के समग्र विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है।

सीसीएल झारखंड के आठ आकांक्षी जिलों – राँची, रामगढ़, चतरा, लातेहार, पलामू, गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो में संचालित है। इन जिलों में स्थित दूरस्थ खनन क्षेत्रों में मुख्य रूप से गरीब एवं अन्य सुख सुविधा से वंचित समुदाय के लोग निवास करते हैं। एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार संगठन के रूप में, सीसीएल ने परियोजना प्रभावित आबादी की भलाई को हमेशा से प्राथमिकता दी है। कंपनी अधिनियम में सीएसआर शामिल होने के बाद से, सीसीएल ने अपने विकासात्मक प्रयासों को और भी अधिक समर्पण और जोश के साथ आगे बढ़ाया है।

अपने संचालन क्षेत्रों में समग्र विकास के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता के साथ, सीसीएल ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास और खेल सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बेहतर करने के लिए कई कदम उठाए हैं। आधुनिक बुनियादी ढांचे की उपलब्धता से लेकर वंचित समुदायों को सशक्त बनाने तक, कंपनी सामाजिक प्रगति की ओर प्रतिबद्ध है।

सीसीएल की सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) योजनाओं के अंतर्गत प्रारंभ की गई 24x7 एनिमल एंबुलेंस कम इमरजेंसी रिस्पॉन्स सेवा पशु कल्याण के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल रही। इस सेवा के माध्यम से राँची तथा सीसीएल के विभिन्न कमांड क्षेत्रों में आवारा एवं असहाय पशुओं को त्वरित चिकित्सीय सहायता, टीकाकरण, नसबंदी, बचाव और पुनर्वास की सुविधाएँ प्रदान की गईं। अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों और प्रशिक्षित पशु चिकित्सकों से युक्त यह एंबुलेंस गाँवों, बस्तियों और सड़कों तक पहुँचकर न केवल पशु चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराती रही, बल्कि समुदायों में जागरूकता अभियान भी संचालित किए गए। HOPE & Animal Trust के सहयोग से संचालित यह पहल सीसीएल के CSR दृष्टिकोण को धरातल पर उतारने का प्रभावशाली उदाहरण है, जिसने पशु कल्याण को समाज सेवा का अभिन्न हिस्सा बनाया।

2012 से चल रही सीसीएल के लाल लाडली योजना के अंतर्गत समाज के कमजोर वर्गों के मेधावी छात्रों (20 लड़के और 20 लड़कियाँ) को प्रतिवर्ष उनके सपनों को साकार करने में सहायता प्रदान की जाती है। छात्रों को मुफ्त आईआईटी स्तर की कोचिंग, डीएवी गांधी नगर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, और समग्र देखभाल, पौष्टिक भोजन और स्वास्थ्य देखभाल की जाती है। प्रति छात्र औसत वार्षिक खर्च 1.80 लाखरू. है। अब तक, 25 छात्रों ने आईआईटी, 32 ने एनआईटी, 7 ने आईआईआईटी, 1 ने आईआईएसटी और 36 ने बीआईटी में प्रवेश लिया है। यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के जीवन को बदलने में सहायक साबित हुई है।

2015 से झारखंड सरकार के साथ साझेदारी में चल रही खेल अकादमी 11 खेलों के क्षेत्रों में युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए

एनिमल एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते निदेशक (एचआर) श्री हर्ष नाथ मिश्र एवं अन्य

विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करती है। अकादमी 8–12 वर्ष के कैडेट्स को संरचित कोचिंग, आधुनिक बुनियादी ढांचा, और माध्यमिक शिक्षा प्रदान करती है। इनमें से अधिकांश कैडेट समाज के पिछड़े वर्गों से आते हैं। प्रति कैडेट वार्षिक खर्च 4 लाख रू. है, जिसमें सीसीएल कुल लागत का 50ः योगदान देता है। 'खेलो इंडिया' योजना के तहत मान्यता प्राप्त इस अकादमी ने राजकीय, राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में अबतक 1,491 पदक जीते हैं। इस योजना को कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय की ओर से प्रथम एवं द्वितीय राष्ट्रीय सीएसआर खेल पुरस्कार से नवाजा गया है। Integrated Health & Wellbeing (IHW) Council, नई दिल्ली द्वारा 2024 में इस परियोजना को सीएसआर टाइम्स गोल्ड अवार्ड से नवाजा गया ।

वित्त मंत्रालय की लोक उद्यम विभाग (डीपीई) की थीम "स्वस्थ्य और पोषण" पर केन्द्रित है, जिसके अनुरूप सीसीएल ने अक्षय पात्रा फाउंडेशन को रामगढ़ जिले में 22.09 करोड़ रूपये की लागत से एक केंद्रीकृत रसोई स्थापित करने के लिए नियुक्त किया है। इस परियोजना से जिले के 538 सरकारी स्कूलों के 50000 छात्रों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। निर्माण कार्य 2023 में शुरू हुआ और अभी प्रगति पर है।

सीसीएल ने झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय को छात्रों की चिकित्सा आपातकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 18.31 लाख रुपये की लागत से एक एम्बुलेंस प्रदान की है।

'नैवेद्यम कार्यक्रम' अंतरगत राँची जिले के दूरदराज के स्थानों में कुपोषण से पीड़ित बच्चों का स्क्रीनिंग कर उन्हें पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए एक कुपोषण उपचार वैन का संचालन किया जा रहा है जिसे खाना पकाने के बर्तन और एंथ्रोपोमेट्रिक उपकरणों से सुसज्जित की गई है।

कंपनी ने परिचालन क्षेत्रों में बुजुर्ग व्यक्तियों के साथ–साथ विकलांग व्यक्तियों के बाधारहित दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों में लिए व्हील चेयर, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, आदि प्रदान कर उनके जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान दिया है।

देश को क्षय रोग मुक्त करने के लिए केंद्र ने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान चलाया है। इसमें अग्रणी रहकर सीसीएल ने सरकार के निक्षय पोर्टल पर लातेहार एवं चतरा जिलों के 5140 टीबी मरीजों को मासिक

मुफ्त राशन पैकेट उपलब्ध कराने के लिए रजिस्टर किया है।

सीसीएल हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 2.21 करोड़ लागत से मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर उपकरणों की स्थापना में सहायता कर रहा जो हर साल लगभग 2,000 रोगियों की जरूरतें पूरी करने में मददगार होंगे।

सीसीएल अपने केंद्रीय अस्पताल, राँची के जन आरोग्य केंद्र और परिचालन क्षेत्रों में सीएसआर डिस्पेंसरी के माध्यम से गाँवों में स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करता है। नियमित और विशेष स्वास्थ्य शिविर, जैसे मधुमेह, एनीमिया और हाई ब्लड प्रेशर के परीक्षण शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों के माध्यम से प्रतिवर्ष 1.5 लाख ग्रामवासी लाभान्वित होते है. इन शिविरों के अलावा, सावन के महीने में देवघर के दुम्मा में तीर्थयात्रियों और ग्रामीणों की स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों को पूरा करने के लिए मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाता है।

शिक्षा क्षेत्र में सीसीएल ने झारखंड सरकार के शिक्षा विभाग के साथ मिलकर राँची विश्वविद्यालय में 5,000 सीटों वाली राज्य पुस्तकालय के निर्माण का कार्य शुरू किया है जिसकी लागत रू. 65.25 करोड़ है। निर्मानुप्रांत, यहाँ पढ़ाई, अनुसंधान, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, ई–संसाधन, सम्मेलन कक्ष और ध्यान केंद्र जैसी सुविधाएँ प्रदान की जाएगी।

ग्रामीण छात्रों को डिजिटल साक्षरता प्रदान करने हेतु, सीसीएल ने एडसीआईएल के साथ रू. 26 करोड़ की लागत का समझौता किया है, जिसके तहत झारखंड के 8 जिलों के 193 स्कूलों में स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब स्थापित किए जा रहे हैं।

राँची जिले के दूरस्थ क्षेत्र में स्थित मदर्स इंटरनेशनल स्कूल जो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग के 1,000 से अधिक ग्रामीण छात्रों को अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा प्रदान करती है को 6 कक्षाओं और शौचालयों के निर्माण हेतु सीसीएल द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है।

ग्रामीण झारखंड, विशेषकर खनन क्षेत्रों के पास स्थित गाँवों, में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती है। सीसीएल ने इन गाँवों में स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए बोरवेल, सोलर डीप बोरवेल, हैंड पंप, कुएँ और पानी फिल्टर जैसी सुविधाएँ प्रदान कर रहा है।

कौशल विकास और आजीविका हेतु सीसीएल ने कई सीएसार योजनाओं की शुरुआत की है। इनमें प्लास्टिक इंजीनियरिंग, ड्रोन सेवा तकनीशियन, हथकरघा और प्राकृतिक रंगाई प्रशिक्षण हेतु परियोजनाओं की शुरुआत की गयी है।

सीसीएल की लाडलियाँ

सीसीएल ने खुले में शौच को कम करने के लिए अपने कमांड क्षेत्रों में स्थित स्कूलों/गाँवों में शौचालयों का निर्माण किया है, जिससे एक स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण तैयार हो रहा है। एमओसी के निर्देशानुसार सीसीएल द्वारा 2024–25 में स्वच्छता पखवाड़ा एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन किया गया जिसमें सीसीएल द्वारा वृक्षारोपण, स्कूलों और अस्पतालों की सफाई, एकल उपयोग प्लास्टिक को हतोत्साहित करने वाली गतिविधियाँ, स्टेशनरी वस्तुओं के इष्टतम उपयोग के लिए पहल, मास्क, सैनिटाइजर, साबुन आदि का वितरण जैसे विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

सीसीएल अपने सीएसार द्वारा समुदायों को सशक्त बनाने, प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और एक स्थायी भविष्य के निर्माण के लिए लगातार प्रयासरत है।

अजनबी

अपनों के बीच अजनबी सा हाल हो गया
कुछ बोलना भी मेरा अब सवाल हो गया
एक दिन जहाँ एक उम्र से बड़ी थी
एक पल भी गुजरना मेरा निहाल हो गया
चारों ओर चारदीवारी से घिर चुका था मैं
बच के अब निकलना मेरा मुहाल हो गया
ताउम्र जिसे अपनी आपबीती सुनाता रहा मैं
खे बदलकर अब वो दलाल हो गया
जहाँ दिखावा जश्न करने के लिए जरूरी था
रस्म अदायगी सा अपना बस ख्याल हो गया
कहीं मैं बाहर कोई राज न खोल दूँ
बातचीत का सिलसिला फिर से बहाल हो गया।

– अशोक कुमार रजक,
क्षेत्रीय वित्त प्रबंधक, बी एंड के क्षेत्र

कोल इंडिया मैराथन के चैंपियन बने ज्ञान और रीनू, मिले 3.3 लाख

रांची, वरीय संवाददाता। कोल इंडिया मैराथन के तीसरे संस्करण का आयोजन मोरहाबादी मैदान में रविवार को किया गया। रांची सहित देशभर से आए 10 हजार धावकों ने उत्साह के साथ भाग लिया। पुरुष वर्ग में उत्तर प्रदेश के ज्ञान बाबू व महिला वर्ग में रीनू विजेता बनीं। ज्ञान ने 2:26:25 सेकेंड और रीनू ने 2:53:31 सेकेंड में दौड़ पूरी करते हुए पहला स्थान हासिल किया। दोनों को 3.3 लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया। पुरुष वर्ग के मैराथन में राज शेखर पाठक (2:31:03 सेकेंड), दीपा राम (2:34:49 सेकेंड) ने क्रमशः दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में अर्पिता सैनी (3:03:23 सेकेंड) दूसरे व भारती (3:04:08 सेकेंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया। हाफ मैराथन (21 किलोमीटर) में पुरुष वर्ग में हरमनजोत सिंह (1:05:14 सेकेंड) और महिला वर्ग में केएम ज्योति (0:34:16 सेकेंड) में चैंपियन बने। मैराथन महिलाओं और पुरुषों की चार श्रेणियों में आयोजित की गई। इसकी शुरुआत सुबह 5 बजे फ्लैग ऑफ कर किया गया। फुल और हाफ मैराथन में शीर्ष 10 विजेताओं को बीच इनामी राशि बांटी गई। सभी विजेताओं के बीच 35.1 लाख रुपए से अधिक की पुरस्कार राशि बांटी गई। मैराथन में शहर के कई ऐसे लोग शामिल हुए, जो शौक के लिए मैराथन का हिस्सा बनते हैं।

मोरहाबादी मैदान में रविवार को कोल इंडिया मैराथन में भाग लेते प्रतिभागी।

विजेता को सम्मानित करते अतिथि।

> आयोजन ने साबित कर दिया कि देश में खेल के प्रति जुनून बढ़ रहा है।
> – मैरीकॉम, वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर

> शारीरिक फिटनेस पर जागरुकता के उद्देश्य से यह आयोजन हुआ।
> – पीएम प्रसाद, चेयरमैन, कोल इंडिया

> खेल भावना के साथ समाज में सौहार्द्र और एकता का संदेश पहुंचा।
> –निलेंदु सिंह, सीएमडी सीसीएल

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

समापन समारोह के मुख्य अतिथि हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस एसएन पाठक, वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर पद्म विभूषण मैरीकॉम, कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद, निदेशक (कार्मिक), विनय रंजन, सीसीएल सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह, निदेशक (कार्मिक) एचएन मिश्र आदि ने विजेताओं को पुरस्कार राशि प्रदान की।

इन्होंने भी लिया भाग

रांची। कोल इंडिया मैराथन में लेफ्टिनेंट डॉ प्रिया श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में संत जेवियर्स के एनसीसी के 40 कैडेटों ने भाग लिया। बीआईटी मेसरा के डॉ निशिकांत ने हाफ मैराथन 1 घंटे 54 मिनट में पूरी की। पर्यटन सचिव मनोज कुमार, डीआईजी रेलवे प्रियदर्शी आलोक ज्ञान साहू, सीएमपीडीआई के अखिलेश कुमार व एसआरएनवी के मनोज कुमार ने भी भाग लिया।

सीसीएल में हर्षोल्लास मना 76वां गणतंत्र दिवस समारोह

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने 76वां गणतंत्र दिवस महात्मा गांधी क्रीड़ांगण, सीसीएल गांधीनगर में उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। इस अवसर पर सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) निलेन्दु कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर उन्होंने सीसीएल सुरक्षा कर्मियों, सीआईएसएफ जवानों,आर्मी बैंड और गांधीनगर डीएवी व ज्ञानोदय स्कूल के विद्यार्थियों की परेड का निरीक्षण किया। समारोह में सीएमडी के साथ निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) हरीश दुहान, सीवीओ पंकज कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी, श्रमिक प्रतिनिधि, सीसीएल कर्मी एवं उनके परिवार जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर विशिष्ट अतिथि के तौर पर 'अर्पिता महिला मंडल' की अध्यक्षा प्रीति सिंह और क्लब की अन्य सदस्य भी उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में सीएमडी ने कहा कि सीसीएल न केवल कोयला उत्पादन और प्रेषण में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है, बल्कि सामाजिक विकास के क्षेत्रों में भी अहम योगदान दे रहा है। उन्होंने 2026 तक 'नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन' का लक्ष्य प्राप्त करने की प्रतिबद्धता दोहराई और बताया कि कंपनी सोलर पावर प्लांट्स की स्थापना और ई-वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने सीसीएल कमांड क्षेत्र में एक करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाने एवं 5,500 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर हरित क्षेत्र विकसित करने की जानकारी के साथ सरकारी स्कूलों में स्मार्टक्लास एवं आईसीटी लैब स्थापित की हैं और स्थानीय युवाओं को विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किए हैं। हाल ही में अनुसूचित जाति एवं जनजाति की 10 महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा प्रदान किया गया।

केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारे संविधान की गरिमा और लोकतंत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को व्यक्त करने का एक अवसर है। समारोह के बाद, सीएमडी ने गांधीनगर केंद्रीय अस्पताल में अमृत फॉर्मेसी का उद्घाटन किया। समारोह में डीएवी गांधीनगर,केंद्रीय विद्यालय और ज्ञानोदय के विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के अंत में शांति

सीसीएल मुख्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 'एनसीडीसी स्थापना दिवस'

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : सीसीएल मुख्यालय, रांची में आज 'एनसीडीसी स्थापना दिवस' बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। इस भव्य कार्यक्रम में सीएमडी सीसीएल निलेंदु कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया। श्री सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि नेशनल कोल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनसीडीसी) ने कोल इंडिया लिमिटेड एवं सीसीएल की नींव को मजबूत किया है और उनके मार्गदर्शन और अनुभव के कारण कंपनी आज देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा कर रही है। इस कार्यक्रम में कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी अन्य सहायक कंपनियों के पूर्व अध्यक्षों, निदेशकों, वरिष्ठ अधिकारियों और एनसीडीसी के पूर्व कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख अतिथियों में पूर्व चेयरमैन, सीआईएल डॉ. एन.पी. नारायणन, पूर्व चेयरमैन, सीआईएल प्रमोद अग्रवाल, पूर्व सीएमडी, डब्ल्यूसीएल आर.सी. रॉय, पूर्व सीएमडी, सीसीएल/ सीएमपीडीआईएल एम.के. वर्मा, पूर्व सीएमडी, सीसीएल बी. अकला, पूर्व सीएमडी, सीसीएल आर.पी. रिटोलिया और पूर्व चेयरमैन, कोल इंडिया लिमिटेड एवं पूर्व सीएमडी, सीसीएल गोपाल सिंह शामिल थे। इसके अलावा, सीएमपीडीआई के सीएमडी मनोज कुमार, सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक तकनीकी (संचालन) हरीश दुहन, निदेशक (परियोजना एवं योजना) सतीश झा और मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एनसीडीसी के पूर्व कर्मियों ने सीसीएल की गौरवशाली यात्रा पर प्रकाश डाला और अपने अनुभवों व स्मृतियों को साझा किया। इस अवसर पर पूर्व सीएमडी, सीसीएल बी. अकला ने 'के.एस. धारी मेमोरियल लेक्चर' दिया। सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने सभी गणमान्य अतिथियों का शॉल, मोमेंटो और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और अपने सम्बोधन में कहा कि एनसीडीसी की विरासत और मार्गदर्शन ने कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों को नए आयाम तक पहुंचाने में मदद की है। कार्यक्रम के दौरान एचआर मैगजीन का विमोचन किया गया, जिसमें सीसीएल की विभिन्न गतिविधियों और उपलब्धियों को दर्शाया गया है। इसके अलावा, 'हर घर तिरंगा' अभियान के वीडियो, जिसे सीसीएल के फेसबुक अकाउंट पर एक मिलियन से अधिक व्यूज मिले हैं, की सफलता का जश्न केक काटकर मनाया गया। इस अवसर पर डीएवी गांधीनगर स्कूल के छात्रों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया, जबकि सीसीएल के कर्मचारियों द्वारा भी संगीत प्रस्तुत किया गया, जिसे सभी ने खूब सराहा। इस अवसर पर एनसीडीसी की यात्रा पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन सीसीएल के निदेशक (परियोजना एवं योजना) सतीश झा ने दिया और मंच का संचालन प्रिय रंजन ओझा ने किया।

ग्रामीण महिलाओं को किया गया ई-ऑटो रिक्शा वितरित

कार्यक्रम के उपरांत, सीसीएल द्वारा सीएसआर के तहत महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया। इस अवसर पर आर.के. मिशन टीबी सैनिटोरियम, रांची के लिए 10 ई-ऑटो रिक्शा का वितरण किया गया, जिसे सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह और अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ई-ऑटो वितरण का उद्देश्य टीबी मरीजों और अन्य रोगियों को अस्पताल परिसर के अंदर और उसके आसपास परिवहन सेवाएं प्रदान करना है। यह पहल वंचित महिलाओं के लिए आजीविका के अवसर भी प्रदान करती है। इस परियोजना के तहत, 10 महिलाओं को ई-रिक्शा चलाने का प्रशिक्षण दिया गया और रामकृष्ण मिशन के निर्देशन में उनकी नियुक्ति की जाएगी। ये महिलाएं प्रतिदिन 500 तक की आय अर्जित करेंगी। यह पहल महिलाओं के लिए आजीविका का स्थायी साधन के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाने की दिशा में सहायक होगा।

सीसीएल कई कॉर्पोरेट अवार्ड्स से सम्मानित

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : कोल इंडिया लिमिटेड/सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर कोल इंडिया में आयोजित समारोह में सीसीएल को हाईएस्ट डिपार्टमेंटल कैपेसिटी यूटीलाइजेशन, एम्पलॉई वेलफेयर, सीएसआर एवं क्लीनलीनेस ऑफ़ कॉलोनी मेंटेनेंस एवं सीएसआर एक्सपेंडिचर में द्वितीय पुरस्कार मिला। इसके अलावा व्यक्तिगत केटेगरी में विजिलेंस एक्सीलेंस अवार्ड श्री बिमल कुमार को, इंडिविजुअल एक्सीलेंस अवार्ड श्री एस. ... खान मंत्री, भारत सरकार श्री जी. किशन रेड्डी; सचिव, कोयला मंत्रालय, श्री विक्रम देव दत्त; अतिरिक्त सचिव, कोयला मंत्रालय, श्रीमती रूपिंदर बरार; अतिरिक्त सचिव, कोयला मंत्रालय, श्रीमती विस्मिता तेज; कोल इंडिया के अध्यक्ष, श्री पी.एम. प्रसाद; निदेशक (पी एंड आईआर), श्री विनय रंजन; निदेशक (व्यवसाय विकास), श्री देबाशीष नंदा; निदेशक (विपणन), श्री मुकेश चौधरी, निदेशक (वित्त), श्री मुकेश अग्रवाल; मुख्य सतर्कता अधिकारी, सीआईएल श्री ब्रजेश

सीसीएल. मगध, अम्रपाली, नॉर्थ उरीमारी और अशोका को मिला पुरस्कार

चार खुली खदानों को फाइव स्टार रेटिंग

वरीय संवाददाता,रांची

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की चार खुली खदानों (मगध, अम्रपाली, नॉर्थ उरीमारी और अशोका) को कोयला एवं लिग्नाइट खदानों के लिए फाइव-स्टार रेटिंग पुरस्कार मिला है. दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी और राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे की उपस्थिति में यह पुरस्कार दिया गया. सीसीएल की ओर से सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह, निदेशक तकनीकी सतीश कुमार झा और हरीश दुहान ने पुरस्कार प्राप्त किया. फाइव स्टार रेटिंग खदानों द्वारा स्थायी खनन प्रथाओं, पर्यावरणीय मानदंडों के अनुपालन और सामाजिक और आर्थिक विकास में योगदान के लिए दिया जाता है. सीएमडी ने कहा कि सीसीएल पर्यावरणीय और सामाजिक जिम्मेदारी के उच्चतम मानकों के पालन के लिए प्रतिबद्ध है. यह पुरस्कार सीसीएल की स्थायी खनन की दिशा में जारी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है.

नयी दिल्ली में पुरस्कार ग्रहण करते सीसीएल के सीएमडी व अन्य.

एनटीपीसी कोल माइंस ने स्टार रेटिंग पुरस्कार जीता

रांची. एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) की तलाईपल्ली और दुलंगा कोयला खदान को वर्ष 2022-23 के लिए फाइव स्टार रेटिंग से सम्मानित किया गया. यह पुरस्कार भारत सरकार के कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी और कोयला व खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे द्वारा एनटीपीसी लिमिटेड के निदेशक (ईंधन) शिवम श्रीवास्तव, एनएमएल के सीइओ अनिमेष जैन, तलाईपल्ली के परियोजना प्रमुख एएस यादव और दुलंगा के परियोजना प्रमुख बीआर प्रसून को 21 अक्तूबर को नयी दिल्ली में आयोजित कोयला खदानों की वार्षिक स्टार रेटिंग पुरस्कार समारोह में प्रदान किया गया.

सोशल मीडिया से...

Central Coalfields Limited @C... · 4d

Congratulations #TeamCCL for achieving 86.25 MT coal production surpassing the previous year's milestone of 86.05 MT, three days ahead.

#AmazingCCL

Central Coalfields Limited · 09/02/25

The Coal India Ranchi Marathon 2025 was flagged off by Padma Vibhushan Ms Mary Kom in the presence of Chairman CIL Shri P.M. Prasad , senior officials of Coal India, state government and other esteemed dignitaries.

The event features various categories, including a 42 km full marathon, 21 km half marathon, 10 km run, and a 5 km run.

Central Coalfields Limited @C... · 5d

CCL participated in 3rd Destination exhibition of "Naya Bharat : Transforming India" at Goa.

Company's vibrant exhibit showcased the achievements, innovative initiatives and performance of the company. Exhibition was themed on "Atmanirbhar Bharat : Viksit Bharat.

Exhibition Show more

Central Coalfields Limit... · 07/12/24

CCL celebrates 'NCDC Foundation Day' with grandeur

The Mega event witnessed the presence of our Mentors, former CIL Chairman, CIL, CMDs of CIL and subsidiary company & industry stalwarts , and number of employees of NCDC . CMD, CCL Shri Nilendu Kumar Singh highlighted NCDC's Show more

Central Coalfields Limi... · 03/08/24

CCL bagged 3 awards in the "8th CSR HEALTH IMPACT AWARDS" organized at New Delhi on 02.08.2024 conferred by Shri Ashwini Kumar Choubey, Ex Minister of State, GoI in the categories.

Most innovative CSR project of the year : Gold

CSR sports promotion Project: Gold

CSR Show more

Central Coalfields Limited
@CCLRanchi

We are thrilled to share that one of our recent videos has crossed over *ONE MILLION VIEWS* on Facebook. Thank you everyone for watching, sharing,support & blessings. This engagement fuels our passion for more creative engaging interventions.

Stay tuned and let's keep the momentum going.
Regards

#AmazingCCL

Central Coalfields Limi... · 09/01/25

Shri G. Kishan Reddy, Hon'ble Union Minister of Coal and Mines, GOI, inaugurated the Security Training Centre at Central Coalfields Limited, Ranchi.

The State-of-Art Training Centre equipped with capacity of 40 personnel aims to impart basic Orientation Training and Refresher Show more

Central Coalfields Limited ... · 16 Nov

Vigilance Awareness Campaign 2024 concludes with a grand ceremony at CCL HQ, Ranchi

CMD CCL Shri N.K.Singh, along with CVO CIL Shri Brajesh Tripathy, FD's,CVO CCL and DIG CISF graced the occasion. GM's /HoD's and number of employees attended the event .

Central Coalfields Limited
@CCLRanchi

Padma Shri Ms Deepika Kumari, commonwealth Gold medalist in Archery, has wished everyone on #NationalSportsDay & congratulated CCL for its unwavering commitment to sports promotion.

#TeamCCL expresses our gratitude to her for the support and we will continue to strive to empower and celebrate our athletes.

Happy #NationalSportsDay2024

झलकियाँ

CCL
सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
श्री जी. किशन रेड्डी

06:18
CCL

कोल इंडिया
RANCHI
MARATHON
CCL
COAL INDIA RANCHI MARATHON 2025
FASTEST FINISHER 42KM (MALE)
WINNER
Rs. Three Lakh Thirty Thousand Only
₹3,30,000
09 February 2025

COAL INDIA
RANCHI
MARATHON
CCL
Fuelling Sustainable Growth
COAL INDIA RANCHI MARATHON 2025
FASTEST FINISHER 10KM (FEMALE)
8TH POSITION
₹10,000
Rs. Ten Thousand Only
09 February 2025

CCL
सतर्कता विभाग

YOGA

"उठो, जागो और तब तक मत रूको
जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाये।"

- स्वामी विवेकानंद

Design & Published by : CC&PR Deptt., CCL, Ranchi